तुम में से बेहतर वो शख्स है जो
कुरआन सिखे और सिखाए

कामिल नूरानी कायदा

तरजुमा वाला

मरकज़ दीन-ए-कामिल

नाम किताब :- कामिल नूरानी क़ायदा हिन्दी तरजुमा वाला

मुरत्तिब :- डॉ.अब्दुल गफ़्फ़ार

कम्पोजिंग :- अब्दुस्समद मुहम्मद कामिल

नाशिर :-

इशाअत :- हदिया :-

तादाद :-

मिलने का पता

1- **मदरसा हिफ्जुल कुरआन तरजुमे वाला पंचशील कालोनी वार्ड नं.10 जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा म.प्र.480551 मोबाईल नं. 9407838153**

2- **डॉ.अब्दुल गफ्फार खान मेन मार्केटजुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा म.प्र.मोबा.9229900910**

3- **परफेक्टवॉच सेन्टर मेन मार्केटजुन्नारदेव मोब-9424648632**

पेश लफ़्ज़

तमाम तअरिफ हम्दु सना सिर्फ और सिर्फ अल्लाह के लिए है जो तमाम जहाँ का रब है, जिसकी तौफिक़ से हमने इस काम को अंजाम दिया।

अल्हम्दु लिल्लाह आज 27 रमज़ान 1441 (21 मई 2020) को क़ायदा इक़रअ तरजुमा वाला को नई तरतीब और तबदीलों के साथ क़ामिल नूरानी क़ायदा के नाम से मुकम्मल हुआ, इस क़ायदे को तर्तीब देने का मक़सद यह की मुसलमानों की एक बहुत बड़ी तादाद कुर्आन करीम से नावाकिफ़ है। बहुत से लोग ऐसे है जो क़ुरआन की तिलावत तो कर लेते है लेकिन उसका हक अदा नही कर पाते, यानी सही मखरज़ के साथ पढ़ना, उसको समझना, और जो अह्क़ाम अल्लाह ने इसमे बताये है उसको अमल मे लाना और क़ुरआन की तालीमात को दूसरे तक पहुचा।

क़ुरआन को तिलावत करने और तरजुमा पढ़ने से क़ुरआन का हक़ अदा नही होता है, उस पर गौर -फिक्र करना भी जरूरी है और क़ुरआन पर गौर -फिक्र करने के लिए लिसानुल क़ुरआन आना जरूरी है, क्योकि क़ुरआन का तरजुमा क़ुरआन की ज़बान का नैमुल बदल नही हो सकता, हाँ कुछ हद तक बात समझ मे आती है लेकिन क़ुरआन मे कहाँ किस बात पर जोर देकर मना किया या करना को कहा ये बात तरजुमा मे नही आ सकती या तो मुफस्सिर के एकप्रेशन से या क़ुरआन की ज़बान से समझ मे आ सकती है

लिहाज़ा क़ुरआन की ज़बान सिखना भी बहुत ही जरूरी है इसलिय इस क़ायदे मे अरबी क़वाइद भी दिये गये ताकि शौक पैदा हो और मज़िद इल्म के लिए क़ुरआन की लुगत या लिसानुल क़ुरआन से फायदा लिया जाये, इस हावाले से मेरा मशविरा है कि मौलाना करीम पारेख सहाब (नागपुर) की लुग़तुल क़ुरआन और आमीर सौहेल (फैसलाबाद पाकिस्तान) की लिसानुल क़ुरआन से फायदा हासिल किया जा सकता है। ये किताबे इन्टर नेट पर भी मौजुद है । और आप लिसानुल क़ुरआन की क्लास से फायदा हासिल करना चाहते है तो इस लिंक पर जाये। **https://lisanulquran.com**

वअस्सलो अलैकु व रह्मातुल्ला।

अब्दुस् समद मुहम्मद क़ामिल
जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा
मोबा:- 9630848111

अर्ज मुर्तीब

मोहतरम जनाब,

अस्सलामु अलैकुम व रहमतुल्लाहि व बरकाता हु

तवील अर्से से हिन्दी जानने वाले हज़रात एक ऐसे कायदे का इन्तेजार कर रहे थे जो हिन्दी मीडियम से कुरआन पढ़ना सिखा दे, अल्लाह ने अपने फज़ल से हिन्दी समझने वालो के लिए आसान कर दिया ताकि वह लोग भी कुरआन पढ़ने और समझने वाले बन जाएं।

रोजाना थोड़ा-थोड़ा वक्त लगा कर आसानी से हर हिन्दी जानने वाला कुरआन पढ़ना सीख सकता है।

अल्लाह से दुआ है कि हर इंन्सान कुरआन पढ़ने और समझने वाला बन जाएं, अल्लाह हमारी कोशिशो को कामयाब करें (आमीन)

इस क़ायदे को तर्तीब देने की कोशिश में जो खुबी है वह अल्लाहके फज़लो करम से है, और जो कमी है वह हमारी कम इल्मी की नतीजा है, इसमे कोई शक नही की कुर्आन के अलावा की कोई किताब इन्सानी भूल-चूक से खाली नही है, **हमने पूरी कोशिश की है कि इस क़ायदे मे कोई गल्ती या कमी न रहे लेकिन हो सकता है कि कहीं कोई गल्ती या कमी रह गई हो तो अहले इल्म से गुजारिश की निशानदेही करते हुऐ हमारी इस्लाहकरने की ज़हमत करें।**

शुक्रिया!

मुर्तीब
डॉ.अब्दुल गफ़्फ़ार
जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा
मोबा:- 9229900910,9407838143

हुरूफे तहज्ज़ी

अलिफ़ से या तक ये तमाम हुरूफ को हुरूफ़े तहज्ज़ी (हिज़अ) कहते है,अरबी में कुल 29 हुरूफ़ हैं हमारे यहाँ के अक्सर मदरसों में हुरूफ़े तहज्ज़ी को पढ़ने का रिवाज जो आम हैं वो इस तरह है- बे, ते, हे, खे, रे, तोए, ज़ोए, फे, हे। ये तलफ्फ़ुज़ फ़ारसी और उर्दु तरीका ए तालिम से लिया गया है, और इस तरीके को मज़हूल कहते हैं, लेकिन अरबी और खास तौर से कुरआन मजीद को मअरूफ़ पढ़ा जाता है।

ب बा — بَابٌ बाबुन् दरवाजा बा का मखरज़- बा दोनो होठों के तरी वाले हिस्से से अदा होता है।	ا अलिफ़ — اَنْفٌ आँफुन् नॉक अलिफ़ का मखरज़- अलिफ मुंह के अंदर के खाली हिस्से से अदा होता है।
ث सा — ثَوْبٌ सव्बुन् कपड़ा सा का मखरज़- सा जबान की नोक और ऊपर के दांतों के किनारे से अदा होता है।	ت ता — تُفَّاحٌ तुफ़्फ़ाहुन् सेब ता का मखरज़- ता जबान की नोक और ऊपर के दांतों की तड़ से अदा होता है।
ح हा — حَرْثٌ ह़रसुन् खेती हा का मखरज़- हा हलक के बीच वाले हिस्से से अदा होता है।	ج जीम — جَمَلٌ जमलुन् ऊंट जीम का मखरज़- जीम जबान के बीच और उसके मुकाबिल ऊपर के तालु से अदा होता है।

خ

خُبْزٌ

खुबज़ुनू
रोटी

ख़ा

ख़ा का मखरज़- ख़ा हलक के ऊपर वाले हिस्से से अदा होता है।

د

دَارٌ

दारुनू
घर

दाल

दाल का मखरज़- दाल जबान कि नोक और ऊपर के दातों की जड़ से से अदा होता है।

ذ

ذُبَابَةٌ

ज़ुबाबतुनू
मख्खी

ज़ाल

ज़ाल का मखरज़- ज़ाल जबान की नोक ऊ पर के सामने के चारो दातों के किनारे से अदा होता है।

ر

رُمَّانٌ

रुम्मानुनू
अनार

रा

रा का मखरज़- रा जबान का किनारा और ऊ पर के सामने के चारो दातों के मसुड़ो से अदा होता है।

ز

زَهْرَةٌ

ज़हरतुनू
फूल/कली

ज़ा

ज़ा का मखरज़- ज़ा जबान की नोक ऊ पर नीचे सामने के चारो दातों के किनारे से अदा होता है।

س

سَمَكٌ

समकुनू
मछली

सीन

सीन का मखरज़- सीन जबान की नोक ऊपर नीचे के सामने के चारो दातों के किनारे से अदा होता है।

ش

شَارِعٌ

शारिअुनू
सड़क

शीन

शीन का मखरज़- शीन जबान का बीच और उसके मुकाबिल ऊ पर के तालु से अदा होता है।

ص

صَحْنٌ

स़हनुनू
प्लेट

स़ाद

स़ाद का मखरज़- स़ाद जबान की नोक ऊ पर नीचे के सामने के चारो दातों के किनारे से अदा होता है।

ل

لِسَانٌ

लिसानुन्
ज़बान

लाम

लाम का मखरज़- लाम जबान की नोक और ऊपर के सामने के चारो दांतो के मसुढ़ो से अदा होता है।

م

مَوْزٌ

मौज़ुन्
केला

मीम

मीम का मखरज़- मीम दोनो होठों के खुश्क हिस्से से अदा होता है।

ن

نَارٌ

नारुन्
आग

नून

नून का मखरज़- नून जबान की नोक और ऊपर के दांतो के मसूढो से मिलकर से अदा होता है।

و

وَرْدَةٌ

वर्दतुन्
गुलाब का फूल

वाव

वाव का मखरज़- वाव दोनो होठों का किनारा मिलकर और बीच का हिस्सा कुछ खुला रहकर से अदा होता है।

ه

هَاتِفٌ

हातिफुन्
टेलिफोन

हा

हा का मखरज़- हा गले के सीने की तरफ वाले हिस्से से अदा होता है।

ع

إِبْرَةٌ

इब्रतुन्
सुई

हम्ज़ह्

हम्ज़ाह् का मखरज़- हम्ज़ह् हलक यानी गले के सीने की तरफ वाले हिस्से से अदा होता है।

ی

يَدٌ

यदुन्
हॉथ

या

क़ाफ का मखरज़- क़ाफ जबान की जड़ और उसके मुकाबिल ऊपर के तालु से अदा होता है।

ے

ض

ضَأْنٌ

ज़ाअनुन्

बकरी

ज़ाद

ज़ाद का मखरज़- ज़ाद जबान की करवट ऊ पर के बाएं तरफ की दाड़ो से अक्सर अदा होता है।

ط

طَيَّارَةٌ

तैय्यारतुन्

हवाई जहाज

ता़

ता़ का मखरज़- ता़ जबान की नोक और ऊ पर के सामने के दो दांतो की जड़ से अदा होता है।

ظ

ظَرْفٌ

जरफुन्

लिफाफा

जा

जा का मखरज़- जा जबान की नोक और ऊ पर के सामने के दो दांतो के किनारे से अदा होता है।

ع

عِنَبٌ

अ़िनबुन्

अंगूर

अ़ैन

अ़ेन का मखरज़- अ़ैन हलक के बीच वाले हिस्से से अदा होता है।

غ

غُرْفَةٌ

गुरफ़तुन्

कमरा

ग़ैन

ग़ैन का मखरज़- ग़ैन हलक यानी गले के आखिरी -मुंह के जानिब वाले हिस्से से अदा होता है।

ف

فُلْكٌ

फुलकुन्

कश्ती

फ़

फ़ का मखरज़- फ़ नीचे के होंठ के गीले हिस्से और ऊ पर के दोनो होठों के किनारे से अदा होता है।

ق

قَدَحٌ

क़दहुन्

प्याला

क़ाफ

क़ाफ का मखरज़- क़ाफ जबान की जड़ और उसके मुकाबिल ऊ पर के तालु से अदा होता है।

ك

كِبْرِيتٌ

किब्रीतुन्

माचिस

काफ

काफ का मखरज़- काफ जबान की जड़ की इब्तेदा और उसके मुकाबिल ऊपर के मखरज जरा मुंह की तरफ से अदा होता है।

हुरूफे तहज्जी

अरबी
दांये से बायें पढ़े

हुरूफे हिज़अ

कुरआन करीम की जबान अरबी है। अल्लाह तआला ने कुरआन करीम अरबी ज़बान में नाज़िल फरमाया,लिहाजा हुरूफे तहज़्ज़ी (हुरूफे हिज़अ) भी अरबी लहजे और मअरूफ पढ़ना चाहिए, हुरफे तहज्ज़ी (हुरूफे हिज़अ) पढ़ने का यही सही तरीका हैं।

ج जीम	ث सा	ت ता	ب बा	ا अलिफ़
ر रा	ذ ज़ाल	د दाल	خ ख़	ح ह़
ض ज़ाद	ص स़ाद	ش शीन	س सीन	ز ज़
ف फ़	غ ग़ैन	ع अ़ैन	ظ ज़ा	ط त़
ن नून	م मीम	ل लाम	ک काफ	ق क़ाफ़
ے या	ی या	ء हम्ज़ह	ہ हा	و वाव

हुरूफे बेतरतीब

अरबी
दांये से बायें पढ़े

हिन्दी की मदद के बगैर पढ़े व अच्छी तरह जहनशीन करलें।

ق	س	ش	خ	ه	ط	ح	ب	ت	ث
ى	ف	غ	ن	ع	ا	ظ	ض	ز	ذ
ے	ء	و	ک	ص	ر	ج	د	ل	م

हर्फो की बदली हुई शक्ले अच्छी तरह जहनशीन करलें।

ف ففف	ع ععع	د د	ج ججج	ت تتة	ب ببب	ا اا
फ़ा	अ़ैन	दाल	जीम	ता	बा	अलिफ
ى يـيـ	ء ئـئـ	ه ههه	ن ننن	م ممم	ل للل	ک ککک
या	हम्ज़ह	हा	नून	मीम	लाम	काफ

नुक्तों की पहचान

ش	ف	ق	ج	خ	ث	ت	ب

हिन्दी दांये से बायें पढ़े

मुरक्कबात

अरबी दांये से बायें पढ़े

एक साथ मिले हुए हरफो को मुरक्कबात कहते है। अल्फाज को जोड़ने का सही तरीका- हर हरफ को अलग-अलग पढ़े जब हरफो को आपस मे मिला कर लिखा जाता है तो उन की शक्ले बदल जाती हैं। हर हरफ को अलग-अलग नाम लेकर पढ़े।

नोटः- हिन्दी को अरबी की तरतीब से पढ़े

जैसे	نس	بكت	لم	با	لا
	सीन नून ←	त काफ ब ←	मीम लाम ←	अलिफ ब ←	अलिफ लाम ←

نس सीन नून	يس सीन या	ثكث स काफ स	كب ब काफ	بلغ गैन लाम ब
بيل लाम या बा	بم मीम ब	بج ज़ीम ब	تحت ता हा ता	يذكى या काफ जाल या
بها अलिफ हा बा	ته हा ता	لعله हा लाम अैन लाम	يهب बा हा या	نبن नून ब नून
سل लाम सीन	فتنتعه हा अैन ता नून ता फा	يد दाल या	خد जाल खा	جد दाल जीम
من नून मीम	شق क़ाफ शीन	ضا अलिफ ज़ाद	طب बा ता	صب बा साद
ذكرى या रा काफ जाल	قبلت ता लाम बा क़ाफ	غرعز जाल अैन र गैन	ظا अलिफ जा	ضى या ज़ाद
ظلوم मीम वाव लाम ज	قلتم मीम ता लाम क़ाफ	بين नून या बा	قينل लाम नून या क़ाफ	محيد दाल या हा मीम

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

हरकात

अरबी दांये से बायें पढ़े

जबर,जेर,पेश को हरकात कहते है, जबर,जेर,पेश को जल्द पढ़े थोड़ा भी न खीचें,अलिफ हमेशा खाली होता है जो अलिफ खाली न हो वो हम्ज़ह होता है।जबर की आवाज ऊपर को उठती है,हिज़्जे इस तरह करें। जैसेः- अलिफ के ऊपर ज़बर की हरकत है- हम्ज़ाह ज़बर 'अ' पढ़े,बा ज़बर 'बा'

ج جَ	ث ثَ	ت تَ	ب بَ	ا اَ
ر رَ	ذ ذَ	د دَ	خ خَ	ح حَ
ض ضَ	ص صَ	ش شَ	س سَ	ز زَ
ف فَ	غ غَ	ع عَ	ظ ظَ	ط طَ
ن نَ	م مَ	ل لَ	ک کَ	ق قَ
ے یَ	ی یَ	ء اَ	ہ ہَ	و وَ

जबर की मश्क

كَفَرَ कफ़र उसने इन्कार किया	وَجَدَ वजद उसने पया	كَتَبَ कतब उसने लिखा	عَبَدَ अ़बद उसने इबादत किया	دَرَسَ दरस उसने पढ़ा
ظَهَرَ ज़हर वो जाहिर हुआ	ذَهَبَ ज़हब वो गया	طَلَبَ तलब उसने मांगा	نَسَرَ नसर उसने मदद किया	سَجَدَ सजद उसने सजदा किया
خَلَقَ खलक उसने पैदा किया	بَعَثَ बअस उसने भेजा	دَخَلَ दख़ल वो दाखिल हुआ	رَزَقَ रज़क उसने रिज़्क दिया	جَعَلَ ज़अल उसने बनाया

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

ज़ेर की मश्क

अरबी
दांये से बायें पढ़े

ज़ेर को मअरूफ पढ़ा जाए, और मजहूल आवाज़ से बचा जाए। ज़ेर की आवाज़ नीचे को जाती है। जैसेः- हम्ज़ह ज़ेर इ, बा ज़ेर बि, ता ज़ेर ति।

जि جِ	सि ثِ	ति تِ	बि بِ	इ اِ
रि رِ	जि ذِ	दि دِ	ख़ि خِ	हि حِ
ज़ि ضِ	सि صِ	शि شِ	सि سِ	ज़ि زِ
फ़ि فِ	गि غِ	अि عِ	जि ظِ	ति طِ
नि نِ	मि مِ	लि لِ	कि كِ	क़ि قِ
यि ےِ	यि یِ	अि ءِ	हि ہِ	वि وِ

ज़ेर की मश्क

हम्ज़ह ज़बर 'अ', स ज़ेर 'सि' असि, मीम जबर 'म' इ असिम

بَجِلَ बख़िल वो कंजूस हुआ	اَجِلَ अज़िल वो टल गया	سَمِعَ समिअ उसने सुना	شَرِبَ शरिब उसने पिया	اَثِمَ असिम उसने गुनाह किया
حَزِنَ हज़िन वो गमग़ीन हुआ	سَقِمَ सक़िम वो बीमार हुआ	اَرِقَ अरिक़ उसे नींद नही आई	جَطِفَ ख़तिफ़ उसने उचक लिया	اَذِیَ अज़िय तकलीफ़ उठाना

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

पेश की मश्क

अरबी
दांये से बायें पढ़े

पेश को मअ़रूफ़ पढ़ा जाए मजहूल आवाज से बचा जाए ।
थोड़ा भी ना खीचें। पेश की आवाज में होठ गोल होते हैं।

जु جُ	सु ثُ	तु تُ	बु بُ	उ اُ
रु رُ	ज़ु ذُ	दु دُ	खु خُ	हु حُ
ज़ु ضُ	सु صُ	शु شُ	सु سُ	ज़ु زُ
फु فُ	गु غُ	अु عُ	ज़ु ظُ	तु طُ
नु نُ	मु مُ	लु لُ	कु کُ	क़ु قُ
यु ےُ	यु یُ	अु ءُ	हु ہُ	वु وُ

पेश की मश्क

र पेश 'रू',सीन पेश 'सु',लाम पेश 'लु' रूसुलु

ثُبُتَ सबुत वो साबित कदम रहा	بُرُدَ बरुद वो सर्द हुआ	سُئِلَ सुइल वो सवाल किया गया	كُتِبَ कुतिब लिखा गया	رُسُلُ रूसुलु रसुल
قُتِلَ कुतिल वो कत्ल किया गया	خُلِقَ खुलिक वो पैदा किया गया	عُفِيَ अुफ़िय वो माफ किया गया	نُصِرَ नुसिर वो मदद किया गया	بُعِثَ बुअ़िस वो भेजा गया

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

हुरूफे मद्द:(मद असली)

अरबी
दांये से बायें पढ़े

1. हुरूफ़े मद्द तीन हैं-अलिफ़ ,वाव,य।
2. इन को एक अलिफ़ के बराबर खीच कर पढ़े।एक अलिफ़ की मिकदार दो हरकात के बराबर हैं।
3. अलीफ मद्दह् हमेशा जबर वाले हर्फ़ के बाद और हरकत से खाली होता है।

जैसेः- हम्ज़ह अलिफ़ ज़बर आ

जा جَا	सा ثَا	ता تَا	बा بَا	आ ءَا
रा رَا	जा ذَا	दा دَا	खा خَا	हा حَا
ज़ा ضَا	सा صَا	शा شَا	सा سَا	ज़ा زَا
फा فَا	गा غَا	अ़ा عَا	जा ظَا	ता طَا
ना نَا	मा مَا	ला لَا	का كَا	क़ा قَا
		आ يَا	हा هَا	वा وَا

मश्क अलिफ मद्द:

हम्ज़ह ज़ेर 'इ',जाल अलिफ जबर जा, इजा
नोटः- हिन्दी को हिन्दी की तरतीब से पढ़े,मायने को याद कर ले।

كَمَا कमा जिस तरह	لَمَا लमा जो कुछ	لَنَا लना लिए हमारे	وَمَا वमा और जो	إِذَا इज़ा जब
قَالَ काल उसने कहा	مَاذَا माजा क्या	كَانَ कान था	عَفَا अफा उसने माफकिया	نَارَ नार आग
لِمَا लिमा किस लिए	أَنَا अना मैं	تَابَ ताब उसने तोबा की	مَاهِيَ माहिय वो कैसी है	هُمَا हुमा वो दोना

हिन्दी → बाय से दाय पढ़े

वाव मद्द:

अरबी ← दांये से बायें पढ़े

1- वाव जिस पर जज़्म हो और जिससे पहले पेश हो तो उसे थोड़ा खीच कर पढ़े और माअरूफ़ पढ़े - जैसेः- बा, वाव, पेश, बू।

2- जिस हर्फ पर जज़्म हो इसको पहले हर्फ से मिला कर पढ़े ।

3- हुरूफे मद्द को एक अलिफ के बराबर खीच कर पढ़े।

جُوْ जू	ثُوْ सू	تُوْ तू	بُوْ बू	اُوْ अू
رُوْ रू	ذُوْ जू	دُوْ दू	خُوْ खू	حُوْ हू
ضُوْ जू	صُوْ सू	شُوْ शू	سُوْ सू	زُوْ जू
فُوْ फू	غُوْ गू	عُوْ अू	ظُوْ जू	طُوْ तू
نُوْ नू	مُوْ मू	لُوْ लू	كُوْ कू	قُوْ कू
	يُوْ यू	ھُوْ अू	ھُوْ हू	وُوْ वू

नून,वाव पेश –नू,हा पेश हु – नूह

حُدُوْدٌ हुदुदुन् हदें	قُلُوْبُكُمْ कुलबुकुम तुम्हारे दिल	دُوْنَ दून सिवाय	قُوْلُوْا कूलू तूम कहो	نُوْحُ नूह नूह अ.स.
يَذْكُرُوْنَ यज़कुरून वो जिक्र करते है।	مُفْلِحُوْنَ मुफ्लिहून वो कामयाब लोग	يَدْعُوْنَ यदऊन वो पुकारते हैं	قُوْمُوْا कौमू खड़े हो जाओ	اَرَادُوْا अरादू वो चाहे
اَعُوْذُ अऊज़ु मैं पनाह चहाता हूँ	اِفْعَلُوْا इफअलू तूम लोग करो	ظَلَمُوْا जलमू उन्होने जुल्म किया	يَرْجُوْنَ यरजून वो उम्मीद रखते हैं।	كُلُوْا कुलू तुम लोग खाओ

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

या मद्द:

अरबी
दांये से बायें पढ़े

या सकिन और उस से पहले जेर हो तो या मद्द होगा इसे थोड़ा खीच कर पढ़े
जैसे :- हम्जह या जेर अी

जी جِیْ	सी ثِیْ	ती تِیْ	बी بِیْ	ई اِیْ
री رِیْ	जी ذِیْ	दी دِیْ	खी خِیْ	ही حِیْ
ज़ी ضِیْ	सी صِیْ	शी شِیْ	सी سِیْ	ज़ी زِیْ
फ़ी فِیْ	गी غِیْ	अी عِیْ	जी ظِیْ	ती طِیْ
नी نِیْ	मी مِیْ	ली لِیْ	की کِیْ	क़ी قِیْ
الله	यी یِیْ	अी ءِیْ	ही هِیْ	वी وِیْ

मश्क या मद्द:

या अलिफ जबर या, बा जबर बा, याब

يُطِيْعُ युतीअु वो इताअत करता हैं	يُرِيْدُ युरीदु वो चाहता हैं	سِيْمَا सीमा अलामत	فِيْهَا फीहा इसमे	يَابَنِيْ या बनी ए मेरे बेटे
اَيْدِيْهِمْ ऐदीहिम हाथ उनके	مِيْثَاقَ मीसाक् मजबूत वादा	فَرِيْقُ फरीकु गिरोह	اَخِيْهِ अखीहि भाई उसका	دِيْنُ दीनु इन्साफ

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

खड़ा जबर (मद्दे:सिला)

अरबी दांये से बायें पढ़े

खड़ा जबर,खड़ा जेर,उल्टा पेश,इनको मद्दे सिला कहते हैं।
इन तीनो को भी हुरूफे मद्द की तरह एक अलिफ के बराबर खीच कर पढ़े।
खड़ा जबर बराबर होता है अलिफ के । जैसे :- बा खड़ा जबर बा ।

जा جَ	सा ثَ	ता تَ	बा بَ	आ اَ
रा رَ	जा ذَ	दा دَ	खा خَ	हा حَ
ज़ा ضَ	सा صَ	शा شَ	सा سَ	ज़ा زَ
फ़ा فَ	गा غَ	आ عَ	जा ظَ	ता طَ
ना نَ	मा مَ	ला لَ	का كَ	क़ा قَ
या ےَ	या یَ	आ ءَ	हा هَ	वा وَ

मश्क मद्दे:सिला

जाल खड़ा जबर जा,लाम जेर लि,जालि ,काफ जबर का जालिक

اٰيٰتُكَ आयातूका तेरी आयतें	سَمٰوٰتِ समावाति आसमान	خٰلِدُوْنَ खालिदून हमेशा रहने वाले	اٰمَنُوْا आमनू ईमान वाले	ذٰلِكَ ज़ालिक ये,वो
هَدٰكُمْ हदाकुम् उसने तुम्हे हिदायत दी	اٰتِنَا आतिना हमें अता कर	اٰمَنْتُمْ आमनतु तुम इमान लाए	وٰعَدْنَا वाअद्ना वादा लिया हमने	ظٰلِمُوْنَ ज़ालिमून जालिम लोग

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

खड़ा जेर मद्दे:सिला

अरबी
दांये से बायें पढ़े

खड़ा जेर बराबर या मद्द के जैसे :- बा खड़ा जेर बी बराबर बा या जेर बी के ।

जी جِ	सी ثِ	ती تِ	बी بِ	इ اِ
री رِ	जी ذِ	दी دِ	खी خِ	ही حِ
ज़ी ضِ	सी صِ	शी شِ	सी سِ	ज़ी زِ
फ़ी فِ	गी غِ	अी عِ	जी ظِ	ती طِ
नी نِ	मी مِ	ली لِ	की كِ	क़ी قِ
यी ےِ	यी یِ	अी ءِ	ही هِ	वी وِ

मश्क मद्दे:सिला

बा जेर बी,हा खड़ा जेर ही– बिही

جُنُوْدِهٖ ज़ुनूदिही उसका लश्कर	مُلْكِهٖ मुल्किही उसकी हुकूमत	اِبْرٰهِيْمَ इब्राहीमा इब्राहिम अ.स.	عِبَادِهٖ अिबादिही उसके बन्दों	بِهٖ बिही उससे
قَوْمِهٖ कौमिही उसकी कौम	ظَهْرِهٖ ज़हरिही उसकी पीठ	بِيَدِهٖ बियदिही उसका हाथ	كُتُبِهٖ कुतुबिही उसकी किताबे	يُحْيِ युह्यी वो जिन्दा करेगा

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

उल्टा पेश

अरबी
दांये से बायें पढ़े

उल्टा पेश बराबर है,वाव मद्द के
जैसे :- बा उल्टा पेश बू बराबर है, बा वाव पेश बू के

जू جٗ	सू ثٗ	तू تٗ	बू بٗ	ऊ اٗ
रू رٗ	ज़ू ذٗ	दू دٗ	खू خٗ	हू حٗ
ज़ू ضٗ	सू صٗ	शू شٗ	सू سٗ	ज़ू زٗ
फू فٗ	गू غٗ	अू عٗ	ज़ू ظٗ	तू طٗ
नू نٗ	मू مٗ	लू لٗ	कू كٗ	कू قٗ
यू ےٗ	यू یٗ	अू ءٗ	हू ہٗ	वू وٗ

पेश की मश्क

लाम जबर ल हा उल्टा पेश हू लहू

فَلَہٗ फलाहू तो उसके लिए	اَمْرُہٗ अमरुहू उसका हुक्म	اَمَانَتُہٗ अमानतुहू उसकी अमानत	كِتَابُہٗ किताबुहू उसकी किताब	لَہٗ लहू उसके वास्ते
	قَدْرُہٗ कदरुहू उसकी हैसियत	يُضٰعِفُہٗ युजाअिफुहू वो बढ़ा देगाउसे	يَعْلَمُہٗ यअलामुहू वो उसे जानता है	اَجَلُہٗ अलजुहू उसकी मुद्दत

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

तनवीन

अरबी
दांये से बायें पढ़े

दो जबर, दो जेर, दो पेश, को तनवीन कहते है।
जैसेः- हम्जह दो जबर अन

رًا रन्	ذًا जन्	دًا दन्	خًا खन्	حًا हन्	جًا जन्	ثًا सन्	تًا तन्	بًا बन्	أً अन्
فًا फन्	غًا गन्	عًا अन्	ظًا जन्	طًا तन्	ضًا जन्	صًا सन्	شًا शन्	سًا सन्	زًا जन्
	يًا यन्	ئًا अन्	هًا हन्	وًا वन्	نًا नन्	مًا मन्	لًا लन्	كًا कन्	قًا कन्

दो जेर :– हम्जह दो जेर इन

رٍ रिन्	ذٍ जिन्	دٍ दिन्	خٍ खिन्	حٍ हिन्	جٍ जिन्	ثٍ सिन्	تٍ तिन्	بٍ बिन्	إٍ इन्
فٍ फिन्	غٍ गिन्	عٍ अिन्	ظٍ जिन्	طٍ तिन्	ضٍ जिन्	صٍ सिन्	شٍ शिन्	سٍ सिन्	زٍ जिन्
	يٍ यिन्	ءٍ अिन्	هٍ हिन्	وٍ विन्	نٍ निन्	مٍ मिन्	لٍ लिन्	كٍ किन्	قٍ किन्

दो पेश :– हम्जह दो पेश उन

رُ रून्	ذُ जून्	دُ दून्	خُ खून्	حُ हून्	جُ जून्	ثُ सून्	تُ तून्	بُ बून्	أُ उन्
فُ फून्	غُ गून्	عُ अून्	ظُ जून्	طُ तून्	ضُ जून्	صُ सून्	شُ शून्	سُ सून्	زُ जून्
	يُ यून्	ئُ अून्	هُ हून्	وُ वून्	نُ नून्	مُ मून्	لُ लून्	كُ कून्	قُ कून्

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

सकून (जज़्म)

अरबी
दांये से बायें पढ़े

1. जिस हर्फ़ पर जज़्म हो इसको पहले वाले हर्फ से मिला कर पढ़ें । जज़्म वाले हर्फ़ को साकिन कहते हैं ।
2. हमज़ह साकिन के पढ़ने में झटका होता है ।

اَرْضٌ अरज़ुन् ज़मीन	يُكَذِّبُوْنَ युकज़्ज़िबून वो झूठ बोलते हैं	اَبْصَارٌ अब्सारुन् आंखे	طُغْيَانٌ तुग़यानुन् शरारत	نَحْنُ नह्नु हम सब
اَنُؤْمِنُ अनुअ्मिनु क्या हम ईमान लाए	اَضَآءَتْ अज़ाअत् रौशन कर दिया	رَبِحَتْ रबिहत् फायदा मन्द हुई	رَعْدٌ रअ्दुन् ग़रज	بَرْقٌ बर्कुन् बिजली
		بِاسْمِ बिस्मि नाम के साथ	اِقْرَاْ इक़्रअ् पढ़	وَالْعَصْرِ वल्अ़स्रि कसम जमाने की

कलक़ला

हुरूफ़े क़लक़ला पॉच हैं -क़ाफ, ता, बा, जीम, दाल (ق.ط.ب.ج.د) इन का मजमुआ क़तुबुजदिन् है जब उन हर्फो पर जज़्म हो तो उनको पढ़ते वक़्त उनके मख़रज टकराकर अलग हो जाते हैं । उन के अलावा किसी जज़्म वाले हर्फ में क़लक़ला नही होगा ।

اَبْ اِبْ اُبْ جَبْ جِبْ جُبْ قَطْ قِطْ قُطْ سَدْ سِدْ سُدْ

شَطْرٌ शत्रुन् तरफ़	يُقْبَلُ युक्बलु वो कुबूल किया जाता है	عَدْلٌ अ़द्लुन् इन्साफ़	سَبْعٌ सबअुन सात	عَبْدِنَا अ़ब्दिना हमारा बन्दा
	عَهِدْنَا अ़हिद्ना हमने वादा लिया	اَجْرُهٗ अज्रुहु उसका अज्र	خَلَقْنَا ख़लक़्ना पैदा किया हमने	وَجْهَكَ वज्हका आपका चेहरा

हिन्दी → बाय से दाय पढ़े

नून क़तनी

← अरबी दांये से बायें पढ़े

तनवीन के बाद अलिफ़ या लाम साकिन आए तो एक ज़बर और एक पेश को ज़ेर वाले नून से बदल कर एक ज़ेर पढ़ेगें, इस नून को नून क़तनी कहते हैं ।

عَلِيْمٌ ۨالَّذِىْ अलीमुन् निल्लज़ी जानने वाला वह जो	خَيْرًا ۨالْوَصِيَّةُ ख़ैर निल्वसिय्यतु माल की वसीयत	هُمَزَةٍ لُّمَزَةِ ۨالَّذِىْ हुम ज़तिल्लुमज़ति निल्लज़ी ताना देने वाले हैं वो जा ऐब निकालने वाले हैं वो जो
كَرَمَادِ ۨاشْتَدَّتْ करमादिनिश्तद्दत् राख की तरह जोर की जली	قَدِيْرُ ۨالَّذِىْ क़दीरु निल्लज़ी कुदरत रखने वाला वो जिस	جَمِيْعًا ۨالَّذِىْ لَهٗ जमीअ़न् निल्लज़ी लहू तमाम के तमाम वो जिसके लिए

तशदीद ـّـ

1. जिस हर्फ़ पर तशदीद हो उसे दो मरतबा पढ़ा जाता है ।एक बार पहले हर्फ से मिला कर और एक बार खुद उसे ।
2. तशदीद की आवाज में एक किस्म की सख़्ती होती है ।
3. नून और मीम पर तशदीद हो तो गुन्ना होगा नाक में थोड़ी देर आवाज रोकना गुन्ना कहलाता है ।
4. गुन्ना की मिकदार एक अलिफ़ के बराबर होती है ।जैसे अन्न اَنَّ

हिज्जे-ः रा बा जबर रब् बा दो पेश बुन = रब्बुन् رَبٌّ

كُلَّمَا कुल्लमा जब भी	اَلَّذِىْ अल्लज़ी वह जो	تَتَّقُوْنَ तत्तकून डरो तुम लो	رَبٌّ रब्बुन् पालने वाला
بِاللّٰهِ बिल्लाहि अल्लाह पर	اٰمَنَّا आमन्ना हम ईमान लाए	اِلَّا इल्ला मगर	صُمٌّ सुम्मुम् बहरे

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

हुरूफ़े लीन

अरबी
दांये से बायें पढ़े

1. हुरूफ़े लीन दो हैं वाव و और या ی
2. वाव साकिन से पहले ज़बर हो - जैसे - اَوْ औ-या साकिन से पहले ज़बर हो अै اَیْ।
3. इन दो हर्फ़ो को नरम आवाज़ के साथ जल्द अदा करें ।
4. हुरूफ़े लीन भी माअ़रूफ़ आवाज़ से पढ़े जाते हैं हम्ज़ह वाब ज़बर औ اَوْ

دَوْ दौ	خَوْ ख़ौ	حَوْ ह़ौ	جَوْ जौ	ثَوْ सौ	تَوْ तौ	بَوْ बौ	اَوْ औ
طَوْ त़ौ	ضَوْ ज़ौ	صَوْ स़ौ	شَوْ शौ	سَوْ सौ	زَوْ ज़ौ	رَوْ रौ	ذَوْ जौ
مَوْ मौ	لَوْ लौ	كَوْ कौ	قَوْ क़ौ	فَوْ फ़ौ	غَوْ ग़ौ	عَوْ अ़ौ	ظَوْ ज़ौ
			يَوْ यौ	ءَوْ औ	هَوْ हौ	وَوْ बौ	نَوْ नौ

मश्क वावलीन

हम्ज़ह वाव ज़बर औ (اَوْ)लाम खड़ा ज़बर ला (لَا) =औला (اَوْلَا)

سَوْفَ सौफ़ अनकरीब	عَفَوْنَا अ़फ़ौना हमने माफ किया	عَوْذٌ औ़ज़ुन् पनाह मांगना	قَوْلٌ क़ौलुन् बात करना	اَوْلٰى औला बेहतरीन
يَوْمَيْنِ यौमैनि दो दिन	خَوْفٌ ख़ौफ़ुन् डर	فَوْقَ फ़ौक़ ऊपर	لَوْلَا लौला क्यों नही	فَوْزٌ फ़ौज़ुन् कामयाबी
		لَوْنُهَا लौनुहा उसका रंग	اَوْ औ या	لَوْ लौ अगर

हिन्दी → बाय से दाय पढ़े

हुरूफे लीन या

अरबी ← दांये से बायें पढ़े

हम्ज़ह या ज़बर अै

है حَیْ	जै جَیْ	सै ثَیْ	तै تَیْ	बै بَئْ	अै اَیْ
सै سَیْ	ज़ै زَیْ	सै رَیْ	ज़ै ذَیْ	दै دَیْ	ख़ै خَیْ
अ़ै عَیْ	ज़ै ظَیْ	त़ै طَیْ	ज़ै ضَیْ	स़ै صَیْ	शै شَیْ
मै مَیْ	लै لَیْ	कै کَیْ	क़ै قَیْ	फ़ै فَیْ	ग़ै غَیْ
	यै یَیْ	अै ءَیْ	है ھَیْ	वै وَیْ	नै نَیْ

मश्क या लीन

लाम अलिफ ज़बर ला لَا – रा या ज़बर रै لَارَیْ बा ज़बर ब–लारैब لَارَیْبَ

كَیْفَ कैफ़ कैसे	اِلَیْكَ इलैक तेरी तरफ	خَیْرٌ ख़ैरुन् बहतर	عَلَیْكُمْ अ़लैकुम तुम्हारे ऊपर	وَالِدَیْنِ वालिदैनि माँ बाप	لَارَیْبَ लारैब नहीं शक
غَیْبٌ ग़ैबुन् छिपी हुई चीज़	كَیْدٌ कैदुन् तदबीर	اَیْنَ अैन् कहाँ	حَیْثُ हैसु जिस जगह	غَیْرِ ग़ैरि सिवाय	لَیْلَةٌ लैलतुन् रात

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

तनवीन और नून साकिन

अरबी दांये से बायें पढ़े

1 - जिस नून पर ज़ज़म हो उस नून को नून साकिन कहते है।
2 - तनवीन और नून साकिन की आवाज एक जैसी होती है।
जैसेः- बा दो जबर बन,बा नून ज़बर बन

ثَنْ सन्	ثًا सन्	ثُنْ तुन्	ثٌ तुन्	ثِنْ तिन्	ثٍ तिन्	ثَنْ तन्	ثًا तन्
جِنْ जिन्	جٍ जिन्	جِنْ जन्	جًا जन्	ثُنْ सुन्	ثٌ सुन्	ثِنْ सिन्	ثٍ सिन्
دُنْ दुन्	دٌ दुन्	دِنْ दिन्	دٍ दिन्	دَنْ दन्	دًا दन्	جُنْ जुन्	جٌ जुन्

इस तरह पढ़ें – ह पेश हु दाल दो ज़बर दन् = हुदन्

اَمْرٍ अमरीन् काम	مَرِيْضًا मरीज़ुन् बीमार	عَظِيْمٌ अज़ीमुन् बड़ा	قَرِيْبٌ करीबुन् करीब	هُدًى हुदन् हिदायत
اَنْتَ अन्ता तू, आप	عَلِيْمٌ अलीमुन् जानने वाला	قَلِيْلًا क़लीमुन् थोड़ा	شَيْءٌ शैउन् चीज	اَلِيْمٌ अलीमुन् दर्दनाक

तनवीन और नून

कायदा 1–इजहार

1. हुरूफ़े हल्की 6 हैं - ء ه ع ح غ خ

2. तनवीन या नून साकिन के बाद हुरूफ़े हल्की आएं, तो नून को ज़ाहिर करके बिला गुन्ना जल्द पढ़ेंगे, इसको इज़हार हल्क़ी कहते हैं ।

طَيْرًا اَبَابِيْلَ तैरुन् अबाबील परिन्दों के झुन्ड	كُفُوًا اَحَدٌ कुफ़ुवुन्अहदुन् बराबरी करने वाला कोई	عَذَابٌ عَظِيْمٌ अज़ाबुन्अज़ीमुन् बड़ा अज़ाब
مِنْ عَيْنٍ اٰنِيَةٍ मिनूऐनिन्आनियतिन् खौलते चश्मे से	مِنْهُ خِطَابًا मिन्हुख़िताबुन् उससे बात करना	مِنْ خَيْرٍ मिनूख़ैरिन् भलाई से

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

कायदा 2 इख़फ़ाअ

अरबी दांये से बायें पढ़े

1- तनवीन या नून साकिन के बाद हुरूफे इख़फ़ाअ् में से कोई आवें,तो नून की आवाज़ को नाक में छुपा कर पढ़ना चाहिए,जैसे उर्दू में पंखा के नून को पढ़ते हैं

2- इख़फ़ाअ् की मिकदार एक अलिफ़ है ।

3- हुरूफ़े इख़फ़ाअ् पन्द्रह है - ت، ث، ج، ذ، س، ش، ص، ض، ط، ظ، ف، ق، ك

كِرَامًا كَاتِبِيْنَ किरामन् कातिबीन बुजुर्ग लिखने वाला	كُنْتُ تُرَابًا कुन्तु तुराबन् मै मिट्टी होता	مِنْ دَخَلَهٗ मन् दख़लहू जो कोई दाखिल हुआ उसमें
يَوْمَ يُنْفَخُ यौम युन्फ़ख़ु जिस दिन के फूंका जाएगा	مَنْ ثَقُلَتْ मन् सक़ुलत् जिस किसी का भारी हुआ	اَنْزَلْنَا अन्ज़ल्ना नाज़िल किया हमने
يَنْظُرُوْنَ यन्ज़ुरून वो देखते हैं	اَنْتَ مُذَكِّرٌ अन्त मुज़क्किर तू नसीहत करने वाला	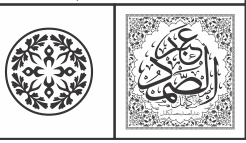

कायदा 3 इक़लाब

1- तनवीन या नून साकिन के बाद हर्फ़ "ब" आए तो "नून" को "मीम" से बदल कर गुन्ना और इख़फ़ा के साथ पढ़ेगें इसको इकलाब कहते हैं ।

2- हिज्जे इस तरह करें -मीम मीम ज़ेर मिम्, ब ऐन जबर बअ्, दि =मिम्बअ्दि,

مِنْۢ بُيُوْتِ मिम् बुयूति घरों से	كِرَامٍۢ بَرَرَةٍ किरामिम् बररतिन् नेक बुजुर्ग	سَمِيْعٌۢ بَصِيْرٌ समीअुम् बसीरुन् सुनने वाला देखने वाला
خَبِيْرًۢا بَصِيْرًا ख़बीरम् बसीरन् खबर रखने वाला देखने वाला	وَيُؤْمِنْۢ بِاللّٰهِ व युअ्मिम् बिल्लाहि और ईमान रखते है अल्लाह पर	مِنْۢ بَعْدِ मिम् बअ्दि उसके बाद
مُغْتَسَلٌۢ بَارِدٌ मुग़्तसलुम् बारिदुन् नहाने की जगह ठंडी	شَهٰدٰتٍۢ بِاللّٰهِ शहादातिम् बिल्लाहि अल्लाह की गवाही के साथ	اُمَّةٍۢ بِرَسُوْلٍ उम्मतिम् बिरसूलिन् रसूल की उम्मत

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

क़ायदा 4 इद्ग़ाम

अरबी दांये से बायें पढ़े

1. हुरूफे इद्ग़ाम 6 हैं : नून, वाव, लाम, मीम,रा,ये : ی،ر،م،ل،و،ن इन हर्फो को हर्फे यरमलून कहते है। (یرملون)

2. तनवीन या नून साकिन के बाद हुरूफ़े यरमलून में से कोई हर्फ़ आ जाय तो लाम और र की सूरत में बगैर गुन्ना मिलाकर पढ़ेंगे इसको इद्गाम बिला गुन्ना और इदग़ाम ताम भी कहते हैं । मबूक इदगाम बिला गुन्ना (ताम)

इद्ग़ाम रा ر

مُحَمَّدٌ رَّسُوْلُ اللّٰهِ मुहम्मदुर्रसूलल्लाह हज़रत मोहम्मद अल्लाह के रसूल हैं	مِنْ رَّبِّكَ मिर्रब्बिक तेरे रब से	غَفُوْرٌ رَّحِيْمٌ गफूरुर्रहीमुन् बख़्शने वाला मेहरबान है
مِنْ رَّسُلِهٖ मिर्रसुलिही उसके रसूलों में से	عِيْشَةٍ رَّاضِيَةٍ ईशतिर्राज़ियतिन् खुशी की जिन्दगी	مِنْ رَّحْمَتِنَا मिर्रहमतिना मेरी रहमत से

इद्ग़ाम लाम ل

مِنْ لَّدُنْكَ मिल्लदुन्क आप के पास से	كُلٌّ لَّهٗ कुल्लुल लहु सब इसके लिए	هُدًى لِّلنَّاسِ हुदल्लिन्नासि हिदायत लोगों के लिए
فَاقِعٌ لَّوْنُهَا फ़ाक़िउल्लौनुहा गहरा उसका रंग	رِزْقًا لَّكُمْ रिज़्क़ल्लकुम रिज़्क तुम्हारे लिए	رَحْمَةٌ لِّلَّذِيْنَ रहमतुल्लिल्लज़ीन रहमत उन लोगों के लिए

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

मश्क़ इदग़ाम मअ़लगुन्न

अरबी दांये से बायें पढ़े

तनवीन या नून साकिन के बाद हुरूफे यरमलून में से (ی،و،م،ن) या वाव, मीम,नून जिनका मज़मुआ यूमिन है یـــومن दूसरे कलमें में आएं तो गुन्ना के साथ मिला कर पढ़ेंगे, इस को इद्गाम मअलगुन्ना और इद्गाम नाकिस भी कहते हैं ।

इद्गाम या

مِنْ يَّكْفُرْ मंय्यक्फ़ुर जो इंकार करेगा	فَلَنْ يَّغْفِرَ फ़लंय्यग़फ़िर तो हरगिज़ना बख़्शेगा	مِنْ يَّرْزُقُ मंय्यर्ज़ुकु कौन रिज़्क देता है	اَنْ يُّتَّبَعَ अंय्युत्तबअ़ के पैरवी की जाए उसकी
مَنْ يَّمْلِكُ मंय्यम्लिकु कौन मालिक है	مِنْ يَّعْتَصِمْ मंय्यअ़्तसिम् जो मज़बूती से पकड़ेगा	اَنْ يَّصُدَّكُمْ अय्यसुद्दकुम ये के वह रोके तुम्हें	فِئَةٍ يَّنْصُرُوْنَ फ़िअतिय्यन्सुरून जमाअत मदद करती है उनकी

इद्गाम वाव

اِلٰهًا وَّاحِدًا इलाहंव्वाहिदा एक मअ़बूद	زَيْتُوْنًا وَّنَخْلًا ज़ैतूनंव्वख़्लनू ज़ैतून और ख़जूर	رَعْدٌ وَّبَرْقٌ रअ़्दुव्वबर्कुनू गरज़ और बिजली
اَشْهُرٍ وَّعَشْرًا अश्हरिंव्वअ़श्रनू महीने और दस (दिन)	كَبِيْرٌ وَّمَنَافِعُ कबीरुंव्वमनाफ़िअ़ु बड़ा और फ़ायदा	بَشِيْرًا وَّنَذِيْرًا बशीरंव्वनज़ीरनू खुशखबरी देने वाला और डराने वाला

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

अरबी
दांये से बायें पढ़े

इद्ग़ाम मीम م م

مَقَامٌ مَّعْلُوْمٌ मक़ामुंम्मअ्लूमुम् मुकर्रर मालूम मुकाम	رَحْمَةٌ مِّنَّا रहमतुम्मिन्ना हमारी रहमत से	صِرَاطٍ مُّسْتَقِيْمٍ सिरातिम्मुस्तक़ीमिन् सीधा रास्ता
رِجْزًا مِّنَ السَّمَاءِ रिज़्ज़म्मिनस्समाइ आसमान से अजाब	شَيْئًا مَّذْكُوْرًا शैअम्मज़्कूरन् काबिले ज़िक्र चीज़	خَيْرٌ مِّنَ النَّوْمِ ख़ैरुम्मिन्नौमि नींद से बहत़र
وَلِيًّا مُّرْشِدًا वलियम्मुर्शिदन् दोस्त राह बताने वाला	غَضَبٌ مِّنَ اللّٰهِ ग़ज़बुंम्मिनल्लाहि गुस्सा है अल्लाह की तरफ से	اُمَّةٌ مِّنْهُمْ उम्मतुंम्मिन्हुम एक उम्मत उन में से

इद्ग़ाम नून ن

مِنْ نّٰصِرِيْنَ मिन्नासिरीन मदद देने वालों में से	اِنْ نَّشَاْ इन्नशअ् अगर हम चाहें	مِنْ نَّا मिन्ना हम से
مِنْ نِّعْمَةٍ मिन्निअ्मतिन् न्यामत से	اَنْ نَّفْعَلَ अन्नफ़्अ़ल के हम करें	مِنْ نَّذِيْرٍ मिन्नज़ीरिन् डराने वाले मे से
يَوْمَئِذٍ نَّاعِمَةٌ यौमइज़िन्नइमतुन् उस दिन न्यामतों में होंगे	عَهْدًا نَّبَذَهٗ अ़हदन्नबज़हू उस अहद को तोड़ दिया उसने	مِنْ نَّبَاِ मिन्नबइन् ख़बर से

मीम साकिन के क़ायदे

कायदा नं. 1 इज़हार शफ़वी - मीम साकिन के बाद बा और मीम (م ـ ب) के अलावा कोई और हर्फ बिलख़ुलूस-वाव و या ف फ आए तो मीम को जाहिर करके पढ़ेगें जैसे उर्दू में हम और तुम की मीम को पढ़ते हैं ।

इज़हार शफ़वी

وَهُمْ فِيهَا वहुम् फ़ीहा और वो लोग इस में	لَكُمْ دِينُكُمْ लकुम् दीनुकुम् तुम्हारे लिए तुम्हारा दीन	هُمْ يُوقِنُونَ हुम् यूक़िनून वो यकीन रखते हैं

इज़हार शफ़वी – मीम साकिन के बाद बा ب आए तो गुन्ना के साथ इख़फा होगा

وَمَاهُمْ بِمُؤْمِنِينَ वमाहुम बिमुअ्मिनीन और नहीं है वो ईमान लाने वाले	تَرْمِيهِمْ بِحِجَارَةٍ तर्मीहिम् बिहिज़ारतिन् और फेंकते थे उन पर कंकरियां	رَبُّهُمْ بِهِمْ रब्बहुम बिहिम् उनका रब उनके साथ है

इदग़ाम शफ़वी–मीम साकिन के बाद मीम م आए तो मीम को मीम से मिलाकर गुन्ना के साथ पढ़ें ।

مِنكُمْ مَرِيضٌ मिन्कुम्म मरीज़ुन् तुम में से एक मरीज़	لَكُمْ مَّا लकुम्म मा तुम्हारे लिए जो	مِنْهُمْ مَّنْ يُؤْمِنُ मिन्हुम्म मंय्यूमिनु उन में से जो ईमान रखते हैं
وَأَنتُمْ مُّسْلِمُونَ वअन्तुम्म मुस्लिमून और तुम मुसलमान हो	أَصَابَتْهُم مُّصِيبَةٌ असाबतहुम्म मुसीबतुन् पंहुची उनको कोई मुसीबत	

राय साकिना और राय मुशद्दह

हिन्दी बाय से दाय पढ़े | अरबी दांये से बायें पढ़े

1. जज़म वाली रा (رْ) को राय साकिना कहते हैं, तशदीद वाली रा (رّ) को राय मुशद्दह कहते हैं ।

2. रा पर ज़बर या पेश (رَ،رُ) हो तो रा पुर होगी ज़ेर हो तो बारीक होगी ।

3. राय साकिना (رْ) से पहले ज़बर या पेश हो तो रा पुर होगी और ज़ेर हो तो राय साकिना बारीक होगी ।

4. तशदीद वाली रा (رّ) पर ज़बर (رَّ) या पेश (رُّ) हो तो रा पुर होगी । ज़ेर (رِّ) वाली राय मुशद्दह को बारीक पढ़ेंगे।जैसे - बिर्रि بِرِّ

5. राय मुशद्दह् पर ज़बर या पेश हो और उस से पहले वाले हर्फ पर ज़ेर हो तो दोनों रा को पुर पढ़ेंगे जैसे - बिर्रा بِرَّ बिर्रू بِرُّ

6. राय मुशद्दह् पर ज़ेर हो और उससे पहले हर्फ पर ज़बर या पेश हो तो दोनों रा को बारीक ही पढ़ेंगे जैसे शर्रि شَرِّ, बुर्रिज़ بُرِّزَ

7. हुरूफे मुस्तअ़लिया सात हैं ।

خ،ص،ض،ط،ظ،غ،ق का-ग़ा-जा-ता-ज़ाद-स़ाद-ख़ा

राय साकिना से पहले ज़ेर हो और इसी कलमें में रा के बाद हुरूफे मुस्तअ़लिया में से कोई हर्फ़ आए तो रा पुर होगी ।

जैसे - किर्ता़सिन् - قِرْطَاسٍ

अगर दूसरे कलमे में हुरूफ़े मुस्तअ़लिया हो तो रा (را) बारीक होगी

जैसे - इस़बिर्, स़ब्रन् - اِصْبِرْ،صَبْرًا

हिन्दी बाय से दाय पढ़े → ← अरबी दांये से बायें पढ़े

ر रा पुर पढ़ें

رَبُّكَ रब्बुक तुम्हारा रब	يَأْمُرُكُمْ यअ्मुरुकुम् वो तुम्हें हुक्म देता है	لَا يَرْجِعُوْنَ लयर्जिऊन वो नहीं लौटेंगे
قُرْاٰنٌ कुर्आनुन् पढ़ना	فَفِرُّوْا फ़फ़िर्रू ठिकाना	سِرًّا सिर्रन् पोशीदा

ر रा बारीक पढ़ें

تُرِيْدُوْنَ तुरीदून तुम लोग चाहते हो	ذُرِّيَّتِيْ ज़ुर्रिय्यती मेरी औलाद	حَرِّقُوْهُ हर्रिकूहु तुम लोग इसे जला डालो
لِكُلِّ صَبَّارٍ लिकुल्लि सब्बारिन् तमाम सब्र करने वाले के लिए	وَاصْبِرْ वस्बिर् आप सब्र करें	بِضُرٍّ बिज़ुर्रिन् कोई नुकसान

लफ्ज़ अल्लाह الله का कायदा

1. लफ्ज़ अल्लाह से पहले ज़बर या पेश हो तो लफ्ज़ अल्लाह के लाम को पुर पढ़ेंगे।
2. लफ्ज़ अल्लाह से पहले ज़ेर हो तो अल्लाह के लाम को बारीक पढ़ेंगे - बाकी हर लाम बारीक पढ़ा जाएगा।

نَصْرُ اللّٰهِ नस्रुल्लाहि अल्लाह की मदद	اِنَّ اللّٰهَ इन्नल्लाह बेशक अल्लाह	**पुर** اَنْزَلَ اللّٰهُ अन्ज़लल्लाहु उतारा अल्लाह ने
سَبِيْلِ اللّٰهِ सबी लिल्लाहि अल्लाह का रास्ता	اِنَّا لِلّٰهِ इन्ना लिल्लाहि हम अल्लाह ही के लिए हैं	**बारीक** بِاللّٰهِ बिल्लाहि अल्लाह के साथ

हिन्दी बाय से दाय पढ़े → | ← अरबी दांये से बायें पढ़े

हुरूफ़े क़मरी व शमसी

1. हुरूफ़े क़मरी 14 है, ا،ب،ج،ح،خ،ع،غ،ف،ك،ق،م،و،ہ،ی इन का मजमूआ

ابغ حجك وخف عقيمه होता है

2. अलिफ़ लाम अगर हुरूफ़े क़मरी शुरू में हो तो सिर्फ लाम पढ़ा जाएगा अलिफ़ को नहीं पढ़ेंगे ।जैसे-वल्क़मरि وَالْقَمَرِ

हुरूफ़े क़मरी

رَبُّ الْعٰلَمِيْنَ रब्बुल् आ़लमीन रब तमाम जहानों का	وَالْيَتٰمٰى वल्यतामा और यतीम	ذٰلِكَ الْكِتٰبُ ज़ालिकल् किताबु (ये) वो किताब	فِى الْاٰخِرَةِ फ़िल्आख़िरति आख़िरत में
عَبْدُ الْجَبَّار अब्दुल ज़ब्बार ज़ब्बार (ज़बरदस्त) का बन्दा	عَبْدُ الْعَلِيْم अब्दुल अलीम अलीम (जानने वाला) का बन्दा	عَبْدُ الْقَادِر अब्दुल क़ादिर क़ादिर (कुदरत वाला) का बन्दा	عَبْدُ الْغَفَّار अब्दुल गफ्फार गफ्फार (बख्शने वाला) का बन्दा

हुरूफ़े शमसी

1. हुरूफ़े शमसी 14 हैं - ت،ث،د،ذ،ر،ز،س،ش،ص،ض،ط،ظ،ل،ن

2. अलिफ़ लाम (ال)अगर हुरूफ़े शमसी के शुरू में हो तो अलिफ (ال) लाम को नहि पढ़ेंगे बल्कि बाद वाले हर्फ़ से मिला कर पढ़ेंगे ।

سَوَآءَ السَّبِيْلِ सवाअस्सबीलि सीधा रास्ता	وَالصَّلٰوةُ वस्सलातु और नमाज़	وَلَا الضَّآلِّيْنَ वलाज़्ज़ाल्लीन और न जो गुमराह हो
عَبْدُ السَّلَام अब्दुस सलाम सलाम (सलामत रखने वाला) का बन्दा	عَبْدُ الرَّحِيْم अब्दुर्रहिम रहिम (रहम करने वाला) का बन्दा	عَبْدُ الصَّمَد अब्दुस समद समद (बेनियाज़) का बन्दा

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

मद का कायदा

अरबी
दांये से बायें पढ़े

1- हुरूफ़े मद्दः के बाद हम्ज़ह इसी कलमें में हो तो मद्दे मुत्तसिल होगा ।
2- हुरूफ़े मद्दः के बाद हम्ज़ह दूसरे कलमें में होगा तो मद्देः मुनफसिल होगा।
3- हुरूफ़े मद्दः के बाद वाले हर्फ़ पर जज़म या तश्दीद हो तो मद्दे लाज़िम होगा ।

मद्दे मुत्तसिल

حَدَآئِقَ	اُولٰٓئِكَ	اَلْمَلٰٓئِكَةُ
हादाअ़िक़ा	ऊलाइक	अल्मलाइकतु
बाग़ात	यही लोग	फ़रिश्ते

मद्दे मुनफ़सिल

لَآ اِلٰهَ	اِنَّآ اَنْزَلْنَ	كَمَآ اُمِرْتَ
ला इलाह	इन्ना अन्ज़ल्ना	कमा उमिर्त
नहीं है कोई माबूद	बेशक नाज़िल किया हमने	जैसा के हुक्म दिया गया तुको

मद्दे लाज़िम

اٰلْئٰنَ	دَآبَّةٌ	لَضَآلُّوْنَ
आल्आन	दाब्बातुऩ	लज़ाल्लून
किया अब	जानवर	गुमराह लोग

हुरूफे मुक़त्तआ़त

الٓمّٓ	الٓصّٓ	الٓرٰ	الٓمّٓرٰ
अलिफ़ लाम् मीम	अलिफ़ लाम् मीम स़ाद	अलिफ़ लाम् रा	अलिफ़ लाम् मीम रा
كٓهٰيٰعٓصٓ	طٰهٰ	طٰسٓمٓ	طٰسٓ
काफ हा या ऐन स़ाद	ता हा	ता सीम् मीम	ता सीन
قٓ نٓ	حٰمٓ	صٓ	يٰسٓ
नून काफ़	हा मीम	साद	या सीन

हिन्दी → बाय से दाय पढ़े

← अरबी दांये से बायें पढ़े

रस्मुलख़त

रस्मुल ख़त यानि लिखने का तरीका,कुरआन पाक में बहुत जगह ا،و،ی लिखे होते हैं मगर इन हर्फों को पढ़े नही जाते इन हर्फों के ऊपर (ا۟ ا۟)ऐसे निशान बना दिए गए हैं

مِنْ نَّبَاۡیِٔ مِنْ نَّبَیءِ ٦/٣٤ खबरों में	اَنْ تَبُوْٓءَا۟ اَنْ تَبُوْٓءَ ٥/٢٩ के तुम फिर जाओ	لَا۟اِلَى اللّٰهِ لَاِلَى اللّٰهِ ٣/١٥٨ यकीनन अल्लाह की तरफ	اَفَا۟ئِنْ مَّاتَ اَفَئِنْ مَّاتَ ٣/١٤٤ पस अगर वो मर जाए
لِّتَتْلُوَا۟ لِتَتْلُوَ ١٣/٣٠ ताकि तुम तिलावत करो	ثَمُوْدَا۟ ثَمُوْدَ ١١/٦٨ समूद	وَلَا۟اَوْضَعُوْا وَلَاَوْضَعُوْا ٩/٤٧ और दौड़ाते	اِلٰى مَلَا۟ئِهٖ اِلٰى مَلَئِهٖ ٧/١٠٣ अपने सरदारों की तरफ
لِيَبْلُوَا۟ لِيَبْلُوَ ٤٧/٤ ताकि वो आज़माएं	لِيَرْبُوَا۟ لِيَرْبُوَ ٣٠/٣٩ ताकि वो बढ़ें	لَا۟اَذْبَحَنَّهٗ لَاَذْبَحَنَّهٗ ٢٧/٢١ मैं ज़रूर उसे ज़िबह कर डालूंगा	لَنْ نَّدْعُوَا۟ لَنْ نَّدْعُوَ ١٨/١٤ हम हरगिज ना पुकारेंगे
قَوَارِيْرَا۟ قَوَارِيْرَ ٧٦/١٥ शीशे	لَا۟اَنْتُمْ لَاَنْتُمْ ٥٩/١٣ यकीनन तुम लोग	بِئْسَ الِاسْمُ بِئْسَ لِسْمُ ٤٩/١١ बुरा नाम	نَبْلُوَا۟ نَبْلُوَ ٤٧/٣١ हम आज़माएंगे
عِيْسٰى عِيْسَا ٢/٨٧ ईसा अलैहिस्सलाम	مُوْسٰى مُوْسَا ٢/٨٧ मूसा अलैहिस्सलाम	اَنَا۟ عَابِدٌ اَنَ عَابِدٌ ١٠٩/٤ मैं इबादत करने वाला हूँ ।	مَلَا۟ئِهِمْ مَلَئِهِمْ ١٠/٨٣ उनके सरदार
مِشْكٰوةٍ مِشْكَاتٍ ٢٤/٣٥ ताक	حَيٰوةَ حَيَاتَ ٢/٧٩ ज़िन्दगी	صَلٰوةَ صَلَاتَ ٢/٣٠ नमाज़	زَكٰوةَ زَكَاتَ ٢/٤٣ ज़कात

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

वक्फ़ करने के कायदे

अरबी
दांये से बायें पढ़े

1- ज़बर ज़ेर पेश, दो ज़ेर दो पेश पर वक्फ करना हो तो आखिरी हर्फ़ पर ज़ज़्म देकर सांस तोड़ दें ।

2- दो ज़बर पर वक्फ करना हो तो एक ज़बर के साथ अलिफ़ पढ़ा जाता है । जैसे अह़दन से अह़द

3- गोल ता पर (ۃ) आयत करना हो तो हाः साकिना (ہ) बन जाती है, जैसे ज़ारियतुऩ से ज़ारियह्

أَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ ○

अअूज़ुबिल्लाहि मिनश्शैतानिर्रजीम

(मैं पनाह मे आता हूं अल्लाह की शैतान मरदूद से)

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ○

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

(अल्लाह के नाम से जो बड़ा मेरहबान खूब रहम करने वाला है)

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ ○

अल्ह़म्दु लिल्लाहि रब्बिल आ़लमीन

(तमाम तारीफें अल्लाह के लिए ,जो रब है तमाम जहानों का)

وَيَهْدِيْهِمْ اِلٰى صِرَاطٍ مُّسْتَقِيْمٍ ○

वयह़दीहिम इला सि़रातिम्मुस्तक़ीम

(और वो उन्हें हिदायत देता है सीधे रास्ते की)

رَبُّكَ اَحَدًا ○

रब्बुक अहद

(तेरा रब एक अकेला)

अलामते वक़्फ

अलामत वक्फ़ के मानी ठहरना यानि कुरआन पाक पढ़ते - पढ़ते किस तरह और कहाँ ठहरे कहाँ ना ठहरें इसके लिए नीचे लिखी हुई अलामतें कुरआन मज़ीद में जगह - जगह बनी हुई हैं ।

○	इस अ़लामत को आयत कहते हैं यहाँ ठहरना चाहिए ।
ط	वक्फ़ मुतालिक की अलामत है, इस पर ठहरना चाहिए ।
م	ये वक्फ़ लाज़िम की अलामत है, इस पर जरूर ठहरना चाहिए ।
ج	यहां ठहरना बेहतर है, और ना ठहरना भी जायज़ है ।
ز	यहां ना ठहरना बेहतर है ।
ص	यहाँ मिलाकर पढ़ना चाहिए, लेकिन अगर कोई थक कर ठहर जाए तो रूखसत है।
صلے	यहाँ मिलाकर पढ़ना चाहिये ।
صل	यहाँ ठहरना बेहतर है ।
ق	यहाँ ठहरना नहीं चाहिए ।
قف	यहाँ ठहर जाओ ।
٥	ये आयत कोफ़ी है मिस्ल गोल आयत के हुक्म हैं ।
س یاسکته	यहां किसी कदर ठहरना चाहिए मगर सांस ना टूटे ।
وقفه	यहां सकतह की निस्बत ज्यादा ठहरना चाहिए और सांस भी ना टूटे ।
لا	ये अ़लामत कई आयत पर होती है यहाँ ठहरें या ना ठहरें मतलब नहीं बदलता और जहां इबारत के दरम्यान لا वहां ना ठहरें, वरना मतलब बदल जाएगा ।
ك	मतलब ये है कि पिछली आयत में दो अलामतें आ चुकी हैं वहीं यहां भी हैं।
∴ مع ∴ ∴∴	मतलब ये है कि यहां तीन जुमलों में है ' जिन दो को चाहो मिला कर पढ़ो।

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

कलमा तैयबा

अरबी दांये से बायें पढ़े

لَآ اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ مُحَمَّدٌ رَّسُوْلُ اللّٰهِ ۝

ला इलाह इल्लल्लाहु मुहम्मदुर्ररसूलुल्लाह

नहीं कोई मअ्बूद सिवाए अल्लाह के, मोहम्मद सल्ल.अलैह व सल्लम अल्लाह के रसूल हैं

कलमा शहादत

اَشْهَدُ اَنْ لَّآ اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهٗ وَرَسُوْلُهٗ ۝

अशहदु अल्ला इलाह इल्लाल्लाहु व अशहदु अन्न मुहम्मदनू अब्दुहू व रसूलु हु

मैं गवाही देता हूं के नहीं कोई मअबूद सिवाए अल्ला के,और मैं गवाही देता हूं की मोहम्मद स.अ.व.उसके बन्दे और उसके रसूल हैं

कलमा तमजीद

سُبْحَانَ اللّٰهِ وَالْحَمْدُ لِلّٰهِ وَلَآ اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَاللّٰهُ

اَكْبَرُ وَلَا حَوْلَ وَلَا قُوَّةَ اِلَّا بِاللّٰهِ الْعَلِيِّ الْعَظِيْمِ ۝

सुब्हानल्लाहि वलहम्दू लिल्लाहि वला इलाह इल्लाहु वल्लाहु अक्बर वला हौला वलाकुव्वता इल्ला बिल्लाहिल अ़लिय्यिल अज़ीम

पाक है अल्लाह और तमाम तारीफें अल्लाह के लिए ही हैं, और नहीं कोई माअबूद सिवाए अल्लाह के और अल्लाह सब से बड़ा है और नहीं कोई ताकत और नहीं कोई कुव्वत मगर अल्लाह की जो बुलन्द अ़ज़मत वाला है

कलमा तौहीद

لَآ اِلٰهَ اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا شَرِيْكَ لَهٗ لَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْحَمْدُ يُحْيِيْ

وَيُمِيْتُ بِيَدِهِ الْخَيْرُ وَهُوَ عَلٰى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيْرٌ

ला इलाह इल्लल्लाहु वहदहू ला शरीकालहु लहुल मुल्कु वलहुल हम्दु युहयी वयुमीतु बियदिहिल ख़ैर वहुव अ़ला कुल्लि शैइन् क़दीर

नहीं कोई माअ्बूद सिवाए अल्लाह के,वो अकेला है,नहीं कोई शरीक उसके लिए उसी के लिए बादशहात है,और उसी के लिए तमाम तारीफें हैं ,वही हयात देता है,और वही मौत देता है,उसी के हाथ मे भलाई है, और वो सब चीज पर कुदरत रखता है

कलमा रद्दे कुर्फ

اَللّٰهُمَّ اِنِّیۡ اَعُوۡذُبِكَ مِنۡ اَنۡ اُشۡرِكَ بِكَ شَيۡئًا وَّاَنَا اَعۡلَمُ

بِهٖ اَسۡتَغۡفِرُكَ لِمَا لَا اَعۡلَمُ بِهٖ تُبۡتُ عَنۡهُ وَتَبَرَّاۡتُ مِنَ

الۡكُفۡرِ وَالشِّرۡكِ وَالۡمَعَاصِیۡ كُلِّهَا اَسۡلَمۡتُ وَاٰمَنۡتُ

وَاَقُوۡلُ لَاۤ اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللّٰهِ ○

अल्लाहुम्म इन्नी अऊ़ज़ुबिक मिन् अन् उशरिक बिक शैअंव व अना अअ़लमु बिहि अस्तग़्फ़िरुक लिमा ला अअ़लामु बिहि तुब्तु अ़न्हु वतबर्रअतु मिनल कुफरि वश्शिर्कि वल् मआ़सी कुल्लिहा अस्लम्तु व आमन्तु व अक़ूलु ला इलाह इल्लल्लाहु मुहम्मदुर्रसूलुल्लाह

(ऐ अल्लाह बेशक मैं पनाह चाहता हूं तूझसे के मैं शरीक करुं तेरे साथ किसी को हालांके मैं जानता हूं उसको और माफी मांगता हूँ तूझ से जो नहीं मैं जानता हूँ उसको, तौबा करता हूँ उस से और बेज़ारी ज़ाहिर करता हूँ कुर्फ से और शिर्क से और नाफरमानी से तमाम गुनाहों की,मेने इस्लाम कुबूल किया और मैने ईमान लाया और मैं कहता हूँ ,नहीं कोई माअ्बूद सिवाए अल्लाह के मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम अल्लाह के रसूल हैं)

ईमाने मुज्मल्

ईमाने मुज्मल् से मुराद वो अल्फ़ाज़ हैं जिनके ज़रिए हम निहायत मुख्तसर तौर पर अपने दीनव ईमान और अक़ीदे का इज़हार करते हैं, इस पर हमारा यक़ीन सिद्क़ दिल से होना चाहिये ।

اٰمَنۡتُ بِاللّٰهِ كَمَا هُوَ بِاَسۡمَآئِهٖ وَصِفَاتِهٖ وَقَبِلۡتُ جَمِيۡعَ اَحۡكَامِهٖ

आमन्तु बिल्लाहि कमा हुव बिअस्माअिही व सि़फ़ातिही व क़बिल्तु जमीअ़ अहकामिही

मैं ईमान लाया अल्लाह पर जैसा के वो अपने नामों के साथ और अपनी सिफतों के साथ और मैने कुबूल किया उस के तमाम अहकाम

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

ईमाने मुफस्सिल

अरबी
दांये से बायें पढ़े

ईमाने मुज्मल में हमने जिन बातों का इकरार मुख्तसर किया था, ईमान मुफ़स्सिल में हम उन बातों का इकरार तफसील के साथ करते हैं और इस पर सदके दिल से अमल पैरा हों।

اٰمَنْتُ بِاللّٰهِ وَمَلٰٓئِكَتِهٖ وَكُتُبِهٖ وَرُسُلِهٖ وَالْيَوْمِ الْاٰخِرِ وَالْقَدْرِ

خَيْرِهٖ وَشَرِّهٖ مِنَ اللّٰهِ تَعَالٰى وَالْبَعْثِ بَعْدَ الْمَوْتِ ○

आमन्तु बिल्लाहि व मलाइकतिही व कुतुबिही व रुसुलिही वल यौमिल् आख़िरि वल क़दरि ख़ैरिही व शरिरही मिनल्लाहि तआ़ला वल बअ्सि बअ्दल मौत

मैं ईमान लाया अल्लाह पर और उसके फरिस्तों पर और उसकी किताबों पर और उसके रसूलों पर और आख़िरत के दिन पर और तक़दीर पर और उसकी भलाई पर और उसकी बुराई पर अल्लाह तआला की तरफ से और दोबारा जी उठने पर मौत के बाद

अज़ान

اَللّٰهُ اَكْبَرُ	اَللّٰهُ اَكْبَرُ	اَللّٰهُ اَكْبَرُ	اَللّٰهُ اَكْبَرُ
अल्लाहुअक़्बर अल्लाह सबसे बड़ा है	**अल्लाहुअक़्बर** अल्लाह सबसे बड़ा है	**अल्लाहुअक़्बर** अल्लाह सबसे बड़ा है	**अल्लाहुअक़्बर** अल्लाह सबसे बड़ा है
وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا رَّسُوْلُ اللّٰهِ	وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا رَّسُوْلُ اللّٰهِ	اَشْهَدُ اَنْ لَّآ اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ	اَشْهَدُ اَنْ لَّآ اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ
अश्हअन्न मुहम्मदर्रसूलुल्लाह मै गवाही देता हूं की मुहम्मद सल्ल. अल्लाह के रसूल है		**अश्हदुअल्लाह इलाह इल्लल्लाह** मै गवाही देता हूं की अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नही	
حَيَّ عَلَى الْفَلَاحِ	حَيَّ عَلَى الْفَلَاحِ	حَيَّ عَلَى الصَّلٰوةِ	حَيَّ عَلَى الصَّلٰوةِ
हय्यअलल्फ़लाह आओ निज़ात पाने के लिए		**हय्यअलस्सलाह** आओ नमाज़ के लिए	
لَآ اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ		اَللّٰهُ اَكْبَرُ	اَللّٰهُ اَكْبَرُ
ला इलाह इल्लल्लाह अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नही हैं।		**अल्लाहुअक़्बर** अल्लाह सबसे बड़ा है	**अल्लाहुअक़्बर** अल्लाह सबसे बड़ा है

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

नमाज़ के अज़कार

अरबी
दांये से बायें पढ़े

तकबीर तहरीमह्

اَللّٰهُ اَكْبَرُ

अल्लाहुअक़्बर
अल्लाह सबसे बड़ा है

सनाअ्

سُبْحَانَكَ اللّٰهُمَّ وَبِحَمْدِكَ وَتَبَارَكَ اسْمُكَ

सुब्हानकल्लाहुम्म व बिहम्दिक वतबारकस्मुक
पाक है तू ए अल्लाह और तारीफ के साथ तेरी और बरकत वाला है तेरा नाम

وَتَعَلٰى جَدُّكَ وَلَآ اِلٰهَ غَيْرُكَ ○

व त आला जद्दुक व लाइलाहग़ैरुक
और बहुत ही आला है तेरी शान और कोई नही मअ़बूद तेरे सिवा

तअुव्वुज़

اَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ ○

अअूज़ु बिल्लाहि मिनश्शैतानिर्रजीम
मै पनाह में आता हूं अल्लाह की शैतान मरदूद से

तस्मियह

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ○

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम
अल्लाह के नाम से बड़ा मेहरबान और निहायत रहम करने वाला है

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

सूरहः फातिहा

अरबी
दांये से बायें पढ़े

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ ۙ﴿۱﴾

अल्हम्दुलिल्लाहि रब्बिल आ़लमीन्

तमाम तारीफें अल्लाह के लिए जो रब है तमाम जहानों का

الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ۙ﴿۲﴾ مٰلِكِ يَوْمِ الدِّيْنِ ؕ﴿۳﴾

अर्रहमानिर्रहीम मालिकि यौमिद्दीन

जो बहुत मेहरबान निहायत रहम करने वाला है,मालिक है बदले के दिन का

اِيَّاكَ نَعْبُدُ وَاِيَّاكَ نَسْتَعِيْنُ ؕ﴿۴﴾

इय्याक नअ़्बुदु व इय्याक नस्तअ़ीन

हम सिर्फ तेरी ही इबादत करते है,और हम सिर्फ तुझ ही से मदद चाहते हैं

اِهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيْمَ ۙ﴿۵﴾

इह़्दिनस्सि़रातल मुस्तक़ीम

हमको हिदायत दे सीधे रास्ते की

صِرَاطَ الَّذِيْنَ اَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ ۙ

सिरात़ल्लजीन अनअ़मृत अलैहिम

रास्ता उन लोगो का जिन पर इनआ किया तूने

غَيْرِ الْمَغْضُوْبِ عَلَيْهِمْ وَلَا الضَّآلِّيْنَ ﴿۷﴾

ग़ैरिल्मग़ज़ूबि अलैहिम् व लज़्ज़ाल्लीन

ना गज़ब हुआ उन पर और ना जो गुमराह हुए

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

सूरहः काफ़िरून

अरबी
दांये से बायें पढ़े

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ○

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

अल्लाह के नाम से बड़ा मेहरबान और निहायत रहम करने वाला है

قُلْ يٰٓاَيُّهَا الْكٰفِرُوْنَ ۝١ لَآ اَعْبُدُ مَا تَعْبُدُوْنَ ۝٢

कुल् याअय्युहल् काफ़िरून, ला अअ़बुदू मताअ़बुदून

कह दीजिए काफ़िरों से, नहीं मैं इबादत करता जिसकी तुम इबादत करते हो

وَلَآ اَنْتُمْ عٰبِدُوْنَ مَآ اَعْبُدُ ۝٣ وَلَآ اَنَا عَابِدٌ مَّا عَبَدْتُّمْ ۝٤

वला अन्तुम आ़बिदून मा अअ़बुद, वला अना आ़बिदुम्माअ़बत्तुम्

और न तुम इबादत करने वाले जिसकी मैं इबादत करता हूं, और न मैं इबादत करने वाला जिसकी तुम इबादत करते हो।

وَلَآ اَنْتُمْ عٰبِدُوْنَ مَآ اَعْبُدُ ۝٥ لَكُمْ دِيْنُكُمْ وَلِيَ دِيْنِ ۝٦

वलाअन्तुम् आ़बिदून मा अअ़बुद, लकुम दीनुकुम वलियदीन

और न तुम इबादत करने वाले जिसकी मैं इबादत करता हूं, तुम्हारे लिए तुम्हारा दीन, और मेरी लिए मेरा दीन

रूकूह की तस्बीह

सुब्हान रब्बियल् अ़ज़ीम
पाक है मेरा रब अज़मत वाला

سُبْحَانَ رَبِّيَ الْعَظِيْمِ

रूकूह से उठने की तस्बीह

समिअ़ल्लाहुलिमन्हमिदह्
सुन लिया अल्लाह ने जिसने उसकी तारीफ की

سَمِعَ اللّٰهُ لِمَنْ حَمِدَهٗ ○

कौमा की तहमीद

रब्बना लकल हम्द
(ए हमारे रब तेरे लिए ही सब तरीफें हैं)

رَبَّنَا لَكَ الْحَمْدُ

सजदा की तस्बीह

सुब्हान रब्बियल् अअ़ला
(पाक है मेरा रब जो बहुत ही बरतर हैं)

سُبْحَانَ رَبِّيَ الْاَعْلٰى

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

तशह्हुद

अरबी
दांये से बायें पढ़े

اَلتَّحِيَّاتُ لِلّٰهِ وَالصَّلَوٰتُ وَالطَّيِّبَاتُ اَلسَّلَامُ عَلَيْكَ

अत्तहिय्यातु लिल्लाहि वस्सलवातु वत्तय्यिबातु अस्सलामु अलैक

तमाम नेक ख्वाहिशात और ज़ज़्बात अल्लाह ही के लिए है,और तमाम इबादतें और तमाम पाकीज़गियां, सलाम हो आप पर

اَيُّهَا النَّبِيُّ وَرَحْمَتُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُهٗ اَلسَّلَامُ عَلَيْنَا

अय्युहन्नबिय्यु व रहमतुल्लाहि व बरकातुहु अस्सलामु अ़लैना

ऐ नबी स. अ. व. और रहमत अल्लाह की और बरकतें, उसकी सलामती हो हम पर

وَعَلٰى عِبَادِ اللّٰهِ الصّٰلِحِيْنَ ○ اَشْهَدُ اَنْ لَّا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ

व अ़ला अ़िबादिल्लाहिस्सलिहीन अशहदु अल्ला इलाह इल्लल्लाहु

और अल्लाह के बन्दों पर जो नेक है, मैं गवाही देता हूं की अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नही और मै

وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهٗ وَرَسُوْلُهٗ

व अशहदु अन्न मुहम्मदनू अब्दुहू व रसूलहू

गवाही देता हूं की मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम उसके बन्दे और रसूल हैं।

दरूद शरीफ

اَللّٰهُمَّ صَلِّ عَلٰى مُحَمَّدٍ وَعَلٰى اٰلِ مُحَمَّدٍ كَمَا صَلَّيْتَ

अल्लाहुम्म स़ल्लि अ़ला मुहम्मदिवं व अला आलि मुहम्मदिन कमा सल्लैत

ऐ अल्लाह मुहम्मद स.अ.व. पर और मुहम्मद स.अ.स. की आल पर रहमत भेज जैसे तूने

عَلٰى اِبْرَاهِيْمَ وَعَلٰى اٰلِ اِبْرَاهِيْمَ اِنَّكَ حَمِيْدٌ مَّجِيْدٌ

अ़ला इब्राहीम व अ़ला आलि इब्राहीमा इन्नक ह़मीदुम् मजीद.

इब्राहिम अ.स. पर और इब्राहिम अ.स. की आल पर रहमत भेजी, बेशक तू तारीफ के क़ाबिल है बुजुर्गी वाला है।

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

अरबी
दांये से बायें पढ़े

اَللّٰهُمَّ بَارِكْ عَلٰى مُحَمَّدٍ وَّعَلٰى اٰلِ مُحَمَّدٍ كَمَا بَارَكْتَ

अल्लाहुम्म बारिक् अला मुहम्मदिवं व अ़ला आलि मुहम्मदिन् कमा बारक्त
ऐ अल्लाह मुहम्मद स.अ.व. पर और मुहम्मद स.अ.स. की आल बरकत अता फरमा जैसे तूने

عَلٰى اِبْرَاهِيْمَ وَعَلٰى اٰلِ اِبْرَاهِيْمَ اِنَّكَ حَمِيْدٌ مَّجِيْدٌ

अ़ला इब्राहीम व अ़लाआलि इब्राहीम इन्नक हमीदुम् मजीद
इब्राहिम अ.स. पर और इब्राहिम अ.स. की आल पर बरकत अता की, बेशक तू तारीफ के क़ाबिल बुजुर्गी वाला है।

दरूद शरीफ के बाद की दुआ

اَللّٰهُمَّ اِنِّىْ ظَلَمْتُ نَفْسِىْ ظُلْمًا كَثِيْرًا وَّلَا يَغْفِرُ

الذُّنُوْبَ اِلَّا اَنْتَ فَاغْفِرْ لِىْ مَغْفِرَةً مِّنْ عِنْدِكَ

وَارْحَمْنِىْ اِنَّكَ اَنْتَ الْغَفُوْرُ الرَّحِيْمُ

अल्लाहुम्म इन्नी ज़लम्तु नफ़्सी ज़ुल्मन् कसीरवं वल यग़्फ़िरु-
ज़्ज़ुनूब इल्ला अन्त फ़ग़्फ़िर्ली मग़्फ़िरतं मिन अिंदिक
वर ह़म्नी इन्नक अन्तल् ग़फ़ुरुर्रहीम

तर्जुमा

ऐ अल्लाह! मैनें अपने नफ़्स पर बहुत ज्यादा जुल्म किया, और तेरे सिवा कोई गुनाहों को बख़्शने वाला नहीं, पस तू अपनी तरफ से ख़ास बख़्शिस से मुझको बख़्श दे और मुझ पर रहम फरमा दे, बेशक तू माफ करने वाला रहम करने वाला है।

सलाम

اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ

अस्सलामु अलैकुम् व रह्मतुल्लाहि - अस्सलामु अलैकुम् व रह्मतुल्लाहि
सलाम हो तुम पर और अल्लाह की रहमत हो - सलाम हो तुम पर और अल्लाह की रहमत हो

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

सलाम के बाद की दुआ

अरबी दांये से बायें पढ़े

اَللّٰهُمَّ اَنْتَ السَّلَامُ وَمِنْكَ السَّلَامُ

تَبَارَكْتَ يَاذَا الْجَلَالِ وَالْاِكْرَامِ

अल्लाहुम्म अन्तस्सलामु व मिन्कस्सलामु तबारक्त या ज़लज़लालि वल इकराम्

ए अल्लाह तू सलामती वाला है और तेरी तरफ से सलामती है तू ही बरकत वाला और तू आ़ला है,ए अज़मत वाले इ़ज़्ज़त वाले।

दुआऐं कुनूत

اَللّٰهُمَّ اهْدِنِيْ فِيْمَنْ هَدَيْتَ، وَعَافِنِيْ فِيْمَنْ عَافَيْتَ،

وَتَوَلَّنِيْ فِيْمَنْ تَوَلَّيْتَ وَبَارِكْ لِيْ فِيْمَا اَعْطَيْتَ، وَقِنِيْ

شَرَّ مَا قَضَيْتَ، فَاِنَّكَ تَقْضِيْ وَلَا يُقْضٰى عَلَيْكَ

وَاِنَّهٗ لَا يَذِلُّ مَنْ وَّالَيْتَ، وَلَا يَعِزُّ مَنْ عَادَيْتَ، تَبَارَكْتَ

رَبَّنَا وَتَعَالَيْتَ، وَصَلَّى اللّٰهُ عَلَى النَّبِيِّ مُحَمَّدٍ

अल्लाहुम्मह दिनी फ़ीमन हदैत, व आफ़िनी फ़ीमन आफ़यत व त वल्लनी फ़ीमन तव लल्लयत, व बारिकली फ़ीमा आतयत, व क़िनी शर र मा क़ज़यत, फइन्नक तक़ज़ी वला यूक़ज़ा अलैक व इन्नाहु ल यज़िल्लो मव व लैयत, व ल यअिज़्ज़ु मन आदैत, तबरकता रब्बाना व तअलैत, व सल्लल्लाहो अलन्नबियी मुहम्मद

ए अल्लाह हिदायत दे मुझे उन लोगो मे जिन लोगो को तूने हिदायत दी, और आफियत दे मुझे उन लोगो मे जिन लोगो को तूने आफियत दी, और दोस्त बना ले मुझे उनमे जिनको तूने दोस्त बनाया, और बरकत दे मेरे लिए उसमे जो तूने दिया, और महफुज़ रख मुझे शर से उन फैसलों के जो तूने किये बैशक तू फैसले करता है, कोई खिलाफ कोई फैसले नही हो सकते, बेशक वह ज़लील नही हो सकता जिसका का तू वाली बन जाये और नही इ़ज़्ज़त पा सकता वह जिससे तुझे दुश्मनी हो जाये, बरकत वाला है ए हमारे रब और बुलन्द है तू।

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

बुनयादी अ़रबी ग्रामर

अरबी दांये से बायें पढ़े

अल्लाह नेअरबी ज़बान जो कि कुर्आन की ज़बान है को इन्तेहाई असान ज़बान बनाया है, और **कामिल नूरानी कायदा** पढ़ने वालों के लिए और भी असान है क्योकि इस कायदे मे अधिकतर कुर्आन के अल्फाज़ माअनी के साथ दिय गये है। किसी भी ज़बान को सिखने के लिए इंशान के दिमाग में उस ज़बान के ज्यादा से ज्यादा अल्फाज़ माअनी के साथ होना चाहिए, जो कि भाषा (ज़बान) को सिखने का कुदरती तरीका होता है, एक बच्चा अपने माँ-बाप से पहले अल्फाजों का सिखता और फिर अपने स्कूल टाईम पर ग्रामर को सिखता है, जबकी उसके पास अल्फाजों का जखीरा मौजुद होता है।

अल्फाजों के माअनी जानने से पहले बहुत अधिक ग्रामर सीखना ऐसा है जैसै किसी ने पानी मे उतने से पहले तैरने के कई तरीके सीखें और जब पानी में उतरने की बारी आई तो सास फुलने लगी..., इसलिए पहले आप एक अच्छी तादाद अल्फाजों को माअनी के साथ याद कर लें।

कुर्आन मज़ीद के अहक़ाम को समझने के लिए कायदे के इस भाग मे अरबी ग्रामर के बुनियादी कवाईद दिये गयें ताकि आप अरबी ज़बान की तसकील से वाकिफ हो जाये और कुर्आन को समझते समय आपके दिमाग मे कोई दुश्वारी पैदा न हो। जो लोग अरबी ज़बान मे महारत हासिल करना चाहाते है तो वह उस्ताज़ आमिर सौहेल सहाब, फैसलाबाद, पाकिस्तान के यूट्युब चैनल या लिसानुल कुरआन की वेबसाईड और मौलाना करीम पारिख सहाब की लुगातुल कुर्आन या आमिर सौहेल सहाब की लिसानुल कुर्आन से फायदा उठा सकते हैं, दोनो ही बुक की पी दी एफ फॉरमेट इन्टरनेट पर मौजुद है, सबसे बेहतरीन आमिर सौहेल सहाब की विडीयों क्लिप है जिसमे बेहतरीन अन्दाज मे अरबी के कावाईद को वाजे किया गया है और आसानी से समझ मे आने वाले अन्दाज मे रिकार्ड किया गया है, इन्की कई सारी क्लिप है जिससे बहुत ही कम समय मे अरबी मे महारत हासिल की जा सकती है।

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

मुब्तदा व खबर

अरबी दांये से बायें पढ़े

अरबी ज़बान मे जुम्ला मुब्तदा और खबर से मिलकर बनता है, मुब्तदा से जुम्ला की शुरूआत होती है, और जो बात कही जा रही है वह खबर होती है, जैसे :- अल्लाह खालिक है । मुहम्मद नबी है। तारिक मुज़ाहिद है। इस तरह के जूम्लो को अरबी मे बनाना आसान है, अरबी बनाने के लिए हर लफ़्जो पर दो पेश लगा दीजीए जैसे :-

अल्लाहु खालीकुन् अल्लाह खालिक है	اَللّٰهُ خَالِقٌ	**मुहम्मदुन नबीयुन्** मुहम्मद नबी है	مُحَمَّدٌ نَبِيٌّ
तारिकुन् मुज़ाहिदुन् तारिक मुज़ाहिद है	طَارِقٌ مُجَاهِدٌ	**जैदुन् सालिहुन्** जैद नेक है	زَيْدٌ صَالِحٌ

नीचे लिखे अल्फाजों को याद करके जुम्ले बनाने की कोशीश करे।

खालिकुन् पैदा करने वाला	خَالِقٌ	**कातिबुन्** लेखक	كَاتِبٌ
कवियुन् ताकतवर	قَوِيٌّ	**नबीयुन्** नबी, खबर देनेवाला	نَبِيٌّ
शाईरून् शायर	شَاعِرٌ	**आलिमुन्** आलिम	عَالِمٌ
दिनुन् इन्साफ	دِيْنٌ	**वाहिदुन्** एक	وَاحِدٌ
मुज़ाहिदुन् ज़िद्दो ज़हद करने वाला	مُجَاهِدٌ	**सालिहुन्** नेक	صَالِحٌ

मश्क

हसनुन् शाईरून हसन एक शायर है	حَسَنٌ شَاعِرٌ	**रफ़ीकुन् कवियुन्** रफ़िक़ ताकतवर है	رَفِيْقٌ قَوِيٌّ
अल्लाहु वाहिदुन अल्लाह एक है	اَللّٰهُ وَاحِدٌ	**बशीरून् कातिबुन्** बशीर एक लेखक है	بَسِيْرٌ كَاتِبٌ
ज़ैदुन् आलिमुन् ज़ैद एक आलिम है	زَيْدٌ عَالِمٌ	**अल्ईस्लाम दिनुन्** इस्लाम दिन है	اَلْاِسْلَامُ دِيْنٌ

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

मुज़्ज़कर व मुअन्नश

अरबी दांये से बायें पढ़े

ऊपर इस्तेमाल हुए तमाम अल्फाज़ मुज़्ज़कर (पुल्लिंग) थे, अब मुअन्नश (स्त्रीलिंग) शब्दों की नीशानी याद कर लीजिए। अरबी ज़बान मे इस्तेमाल होने वाला हर इस्म मुज़्ज़कर समझा जायेगा जब तक उसका मुअन्नश होना सबीत न हो। मुअन्नश अस्मा बनाने का असान तरिका ये है कि मुज़्ज़कर अस्मा के आखिर मे गोल ता (ة) लगा दी जाती है।

رَاشِدٌ ⟸ رَاشِدَةٌ	صَالِحٌ ⟸ صَالِحَةٌ	ذَكِيٌّ ⟸ ذَكِيَّةٌ
خَالِدٌ ⟸ خَالِدَةٌ	عَابِدٌ ⟸ عَابِدَةٌ	مُسْلِمٌ ⟸ مُسْلِمَةٌ

मुअर्रफ बिल लाम

(ال) अलिफ लाम के जरिया खुसूसियत पैदा करना

किसी इस्म मे खुसूसियत पैदा करने के लिए اَلْ का इस्तेमाल किया जाता है, जिस तरह अंग्रेजी मे **The** का इस्तेमाल होता है अलीफ लाम लगाकर खूसुसियत पैदा करने को मुअर्रफ बिल लाम कहते है। अलीम लाम लगाने से उस इस्म के आखिर के दो पेश को एक पेश मे बदल देते है।

अल् किताबु किताब	اَلْكِتَابُ	**किताबुन्** एक या कोई किताब	كِتَابٌ
अल् कुतुबु किताबें	اَلْكُتُبُ	**कुतुबुन्** कुछ किताबें	كُتُبٌ
अल् कलमु कलम	اَلْقَلَمُ	**कलमुन्** एक या कोई कलम	قَلَمٌ
अल् कलमु कलम (जमा)	اَلْاَقْلَامُ	**अकलमुन्** कुछ कलम	اَقْلَامٌ
अल् इन्शानु इंशान	اَلْاِنْسَانُ	**इन्शानुन्** एक या कोई इंशान	اِنْسَانٌ

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

अरबी
दांये से बायें पढ़े

अरबी जुम्ला बनाते वक्त यह ध्यान रखना होता है कि मुब्तदा और खबर मे मुताबकत होनी चाहिये, जैसे मुब्तदा मुअन्नश है तो खबर भी मुअन्नश होगी और मुब्तदा मुज़्ज़कर है खबर भी मुज़्ज़कर होगी और मुब्तदा व खबर अदद के हवाले से भी एक जैसे होगे, वाहिद के साथ वाहिद, जमा के साथ जमा, मुसन्ना के साथ मुसन्ना खबर होगी।

اَلْاَبُ صَالِحٌ   اَلْاُمُّ صَلِحَةٌ

अल् बिन्तु जमीलतुन् बेटी खुबसुरत है	اَلْبِنْتُ جَمِيْلَةٌ	अल् इब्नु जमीलून् बेटा खुबसुरत है	اِلْاِبْنُ جَمِيْلٌ
अल् उम्मु सलिहतुन् वालिदा नेक है	اَلْاُمُّ صَالِحَةٌ	अल् अबु सलिहुन् वालिद नेक है	اَلْاَبُ صَلِحٌ
अल् उखतु जकीयातुन् बहन अ़क़लमंद है	اَلْاُخْتُ ذَكِيَةٌ	अल् अखु जकीयुन् भाई अ़क़लमंद है	اَلْاَخُ ذَكِيٌّ
अल् खालतु सादिकातुन् खाला सच्ची है	اَلْخَالَةُصَادِقَةٌ	अल् खालु सादिकुन् मामू सच्चा है	اَلْخَالُ صَادِقٌ

नीचे लिखे अल्फाजों को याद करके जुम्ले बनाने की कोशीश करे।

अब्दुन् बन्दा	عَبْدٌ	खालुन् मामु	خَالٌ	जमीलुन् खुबसुरत (मुज़)	جَمِيْلٌ
सलिहुन् नेक	صَالِحٌ	खालतुन् खाला	خَالَةٌ	जमीलतुन् खुबसुरत (मु.)	جَمِيْلَةٌ
सगीरून् छोटा	صَغِيْرٌ	सदिकुन् सच्चा	صَادِقٌ	इब्नुन् बेटा	اِبْنٌ
सगीरतुन् छोटी	صَغِيْرَةٌ	अखुन् भाई	اَخٌ	बिन्तुन् बेटी	بِنْتٌ
कबीरून् बड़ा	كَبِيْرٌ	अबिदुन् इबादत करने वाला	عَابِدٌ	अबुन् वालिद	اَبٌ
कबीरतुन बड़ी	كَبِيْرَةٌ	अबिदातुन् इबादत करने वाली	عَابِدَةٌ	उम्मुन् वालिदा	اُمٌّ
जकीयुन् अक़लमंद	ذَكِيٌّ	हम्दुन् तारिफ	حَمْدٌ	उखतुन् बहन	اُخْتٌ

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

सिफत व मौसुफ

अरबी दांये से बायें पढ़े

अरबी ज़बान में किसी की सिफत बताने के लिए सिफत व मौसुफ जुम्लों का इस्तेमाल होता है, मौसुफ मुब्तदा होता जिसकी खुसुसियत बताने के लिए सिफत लाई जाती जैसे नेक आदमी, यहाँ आदमी की सिफत नेक लाई गई है, हिन्दी/उर्दु के जुम्लो का क्रम पलट दिया जाता है जैसे नेक आदमी को अरबी मे करने के लिए पहले आदमी की अरबी लिखेगें फिर नेक की अरबी दोनो मे दो - दो पेस के साथ लिखते है। رَجُلٌ صَالِحٌ

اَلْمُسْلِمُ الصَّادِقُ مُسْلِمٌ صَادِقٌ मुस्लिमुन् सादिकुन् अल् मुस्लिमुलसादिकु सच्चा मुसलमान	اَلْكِتَبُ الصَّغِيْرُ كِتَبٌ صَغِيْرٌ कितबुन् सगीरून् अल् किताबुस्सगीरून छोटी किताब
اَلرَّجُلُ الصَّالِحُ رَجُلٌ صَالِحٌ रजुलुन् सालिहुन् अर्रजुलुस्सालिहु नेक आदमी	اَلْمَسْجِدُ الْكَبِيْرُ مَسْجِدٌ كَبِيْرٌ मस्जिदुन् कबिरून् अल मस्जिदुलकबिरू बड़ी मस्जिद
اَلْعَمُّ الْاَمِيْنُ عَمٌّ اَمِيْنٌ अम्मुन् आमिनुन् अल् अम्मुल आमिनु अमानतदार चाचा	اَلصِّرَاطُ مُسْتَقِيْمٌ अस्सीरातु मुस्तकिमुन् वह रास्ता सीधा है
اَلْعَمُّ صَالِحٌ अल् अम्मु सालिहुन वह चाचा नेक है	اَلصِّرَاطُ الْمُسْتَقِيْمُ अस्सीरातुल मुस्तकिमु वह सीधा रास्ता
اَلْعَمُّ الصَّالِحُ अल् अम्मूस्सलिहु वह नेक चाचा	اَلْبَيْتُ كَبِيْرٌ अल् बैतु कबिरून वह घर बड़ा है
اَلْخَالَةُ صَالِحَةٌ اَلْخَالَةُ الصَّلِحَةُ अल् खलातुस्सलिहतु अल् खालतु सालिहतुन वह नेक खाला वह खाला नेक है	اَلْبَيْتُ الْكَبِيْرُ अल् बैतुल कबिरू वह बड़ा घर

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

मुज़ाफ व मुज़ाफ इलैय

अरबी दांये से बायें पढ़े

अरबी ज़बान में मुब्तदा का खबर से तअल्लुक बताने के लिए इस तरह कि जुम्लों का इस्तेमाल होता है, मुब्तदा मुज़ाफ होता उसकी खबर मुजाफ इलैय होती है, जैसे **-कुर्आन का हुक्म।** हिन्दी/उर्दु के जुम्लो का क्रम पलट दिया जाता है जैसे कुर्आन का हुक्म को अरबी मे करने के लिए पहले कुर्आन को एक पेश के साथ लिखेगें फिर हुक्म की अरबी मे दो जेर के साथ अलीफ लाम (ال) के साथ एक जेर के साथ लिखते है।

यौमुद्दिनी इन्साफ का दिन	يَوْمُ الدِّيْنِ	**बैतुल्लाहि** अल्लाह का घर	بَيْتُ اللهِ
इताअतुल वालिदीनी वालिदैन की इताअ़त	اِطَاعَةُ الْوَالِدَيْنِ	**कौमु हुदिन्** हूद की कौम	قَوْمُ هُوْدٍ
जिक्ररूर्रहमानी रहमान की याद	ذِكْرُ الرَّحْمَانِ	**दअवतु रसूलिन्** रसूल की दअवत	دَعْوَةُ رَسُوْلٍ
रहमातुल्लाहि अल्लाह की रहमत	رَحْمَةُ اللهِ	**फज़्लुल्लाही** अल्लाह का फ़ज़्ल	فَضْلُ اللهِ
तुग़यानुन्नासी लोगों की बग़ावत	طُغْيَانُ النَّاسِ	**हुक्मु कुर्आनी** कुर्आन का हुक्म	حُكْمُ قُرْآنٍ
अरज़ुल्लाहि अल्लाह की ज़मीन	اَرْضُ اللهِ	**रैयबुल इंशानी** इंशान का शक	رَيْبُ الْاِنْسَنِ
दारूल आखिरती आख़िरत का घर	دَارُ الْآخِرَةِ	**सुन्नतुर्रसूलि** रसूल की सुन्नत	سُنَّةُ الرَّسُوْلِ
तआमुल असिमी गुनहगार का खाना	طَعَامُ الْاَثِيْمِ	**किताबुल्लाहि** अल्लाह की किताब	كِتَابُ اللهِ
मुक़िमुस्सालाती नमाज़ कायम करने वाला	مُقِيْمُ الصَّلٰوةِ	**इक़ामतुस्सलाती** नमाज़ का कियाम	اِقَامَةُ الصَّلَاةِ
मिअराजुल मुअमिनी मुअमीन की मेअराज़	مِعْرَاجُ الْمُؤْمِنِ	**रब्बुल आलामिन** तमाम जहानो का रब	رَبُّ الْعَالَمِيْنَ
यौमुल जुमअती जुमआ का दिन	يَوْمُ الْجُمُعَتِ	**अलिमुल गैयबी** गैब का जानने वाला	عَلِمُ الْغَيْبِ
नेअमतुल्लाहि अल्लाह की नेअमत	نِعْمَةُ اللهِ	**नसरूल्लाहि** अल्लाह की मदद	نَصْرُ اللهِ

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

ज़माइर

अरबी दांये से बायें पढ़े

अरबी ज़बान मे कसरत से इस्तेमाल होने वाले अलफाज़

Possessive Pronouns मिसाल Example	Possessive Pronouns	Personal Pronouns	Number अदद	Gender जिंस	Person
किताबुहु उसकी किताब كِتَابُهُ	**हु** उसका هُ	**हुवा** वह هُوَ	वाहिद واحد	मुज़क्कर	ग़ायिब 3rd Person
बैतुहुमा उन दोनो की घर بَيْتُهُمَا	**हुमा** उन दोनों का هُمَا	**हुमा** वे दोनों هُمَا	मुसन्ना مثنّى		
इमानुहुम उनका ईमान إِيمَانُهُمْ	**हुम** उन सबका هُمْ	**हुम** वे सब هُمْ	ज़मा جمع		
उम्मुहा उसकी माँ أُمُّهَا	**हा** उसका هَا	**हिय** वह هِيَ	वाहिद واحد	मुअन्नश	
बैतुहुमा उन दोनों का घर بَيْتُهُمَا	**हुमा** उन दोनों का هُمَا	**हुमा** वे दोनों هُمَا	मुसन्ना مثنّى		
बैतुहुन्ना उनका घर بَيْتُهُنَّ	**हुन्ना** उन सबका هُنَّ	**हुन्ना** वे सब هُنَّ	ज़मा جمع		
किताबुक तेरी किताब كِتَبُكَ	**क** तेरा كَ	**अन्त** तुम أَنْتَ	वाहिद واحد	मुज़क्कर	हाज़िर 2nd Person
बैतुकुमा तुम दोनों का घर بَيْتُكُمَا	**कुमा** तुम दोनों का كُمَا	**अन्तुमा** तुम दोनो أَنْتُمَا	मुसन्ना مثنّى		
रसूलुकुम तुम्हारा रसूल رَسُولُكُمْ	**कुम** तुम सबका كُمْ	**अन्तुम** तुम सब أَنْتُمْ	ज़मा جمع		
बैतुकी तेरा घर بَيْتُكِ	**की** तेरा كِ	**अन्ती** तुम أَنْتِ	वाहिद واحد	मुअन्नश	
किताबुकुमा तुम दोना कि किताब كِتَابُكُمَا	**कुमा** तुम दोनों का كُمَا	**अन्तुमा** तुम दोनो أَنْتُمَا	मुसन्ना مثنّى		
बैतुकुन्ना तुम सबका घर بَيْتُكُنَّ	**कुन्ना** तुम सबका كُنَّ	**अन्तुन्ना** तुम सब أَنْتُنَّ	ज़मा جمع		
किताबी मेरी किताब كِتَابِيْ	**य** मेरा يْ	**अना** मै أَنَا	वाहिद واحد	मुज़क्कर / मुअन्नश	मुताकल्लिम 1st Person
रज़कनी रिज़्क दिया मूझे رَزَقَنِيْ	**नी** मूझे نِي				
किताबुना हमारी किताब كِتَابُنَا	**ना** हमारा نَا	**नहनु** हम نَحْنُ	मुसन्ना مثنّى ज़मा جمع		

अस्मा ए इस्तेफाम

कम कितने كَمْ	**लिमाज़ा** जो لِمَاذَا	**अय न** क्या أَيْنَ	**मता** कौन مَتٰى	**मन्** कब مَنْ
हल, आ कैसे هَلْ، أَ	**कहफ** क्या كَحْفَ	**अय्युतुन्** कितने أَيَّةٌ	**अय्यु** क्यों أَيُّ	**माज़ा, मा** कहाँ مَاذَا، مَا

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

ज़मीर

अरबी दांये से बायें पढ़े

Relative Pronouns इस्मुल मउसुल		Demonstrative Pronouns इस्मुल इसार:				Number अदद	Gender जिंस
अल्लजी वह जो	اَلَّذِى	ज़ाली क वह	ذَالِكَ	हाज़ा यह	هٰذَا	वाहिद واحد	मुज़क्कर
अल्लजानी वे दोनों जो	اَلَّذَانِ	ज़नी क वे दोनों	ذَانِكَ	हाज़ानी यह दोनों	هٰذَانِ	मुसन्ना مثنّٰى	
अल्लाती वे सब जो	اَلَّاتِى	ऊलाऽय क वे सब	اُولٰٓئِكَ	हाऊलाऽय यह सब	هٰٓؤُلَاءِ	ज़मा جمع	
अल्लती वह जो	اَلَّتِى	तिल् क वह	تِلْكَ	हाज़िहि यह	هٰذِهٖ	वाहिद واحد	मुअन्नश
अल्लतानी वे दोनों जो	اَلَّتَانِ	तानी क यह दोनों	تَانِكَ	हातानी यह दोनों	هَاتَانِ	मुसन्ना مثنّٰى	
अल्लज़ी न वे सब जो	اَلَّذِيْنَ	ऊलाऽय क वे सब	اُولٰٓئِكَ	हाऊलाऽय यह सब	هٰٓؤُلَاءِ	ज़मा جمع	

अन् त आलिमुन् तुम एक आ़लिम हो	اَنْتَ عَالِمٌ	**हुव मुस्लिमुन्** वह एक मुस्लिम है	هُوَ مُسْلِمٌ
हिय सालिहतुन् वह नेक (मुअन्नश) है	هِيَ صَالِحَةٌ	**अना मुअमीनुन्** मैं एक ईमान वाला हूँ	اَنَا مُؤْمِنٌ
इन्न कुम बेशक तुम सब	اِنَّكُمْ	**लिसानुकुम्** तुम्हारी ज़बान	لِسَانُكُمْ
रब्बु कुम तुम्हारा पालनहर	رَبُّكُمْ	**नसरतु हु** मद्द की मैनें उसकी	نَصَرْتُهٗ
इल्य ना हमारी तरफ	اِلَيْنَا	**मिन् क** तुझ सें مِنْكَ **कौमु ना** हमारी कौम	قَوْمُنَا
रसूलु ना हमारा रसूल	رَسُوْلُنَا	**इल्य हिम** इनकी तरफ اِلَيْهِمْ **ल हु** उसके लिए	لَهٗ
इल्य्या मेरी तरफ اِلَيَّ **इब्नी** मेरा बेटा اِبْنِيْ		**इन्न ना** बेशक हम اِنَّنَا **ल न** हमारे लिए, हमको	لَنَا
मिल्लतु कुम तुम्हारी मिल्लत	مِلَّتُكُمْ	**इल्य हिन्ना** इन (मुअन्नश) की तरफ	اِلَيْهِنَّ
ऊलाऽय क असातिज़तुन् वो सब मुअल्लिमा है	اُولٰٓئِكَ اَسَاتِذَةٌ	**हज़ा त़अलिबुन्** ये तअलिबे इल्म है	هٰذَا طَالِبٌ
जानि क मक्तबानी वो दो मैजे (टेबल)है	ذَانِكَ مَكْتَبَانِ	**तिल्क तअलिबतुन्** वो तअलिबा है	تِلْكَ طَالِبَةٌ

हिन्दी
बाय से दाय पढ़े

फेल

अरबी
दांये से बायें पढ़े

कलिमा की वो किस्म जो किसी काम के करने या होने को किसी ज़माना मे ज़ाहिर करे उसे फेल कहते है। उर्दु ज़बान मे ज़माना तीन है, **माजी, हाल, मुस्तकबील,** अरबी ज़बान मे सिर्फ दो ही फेल इस्तेमाल होते है-
1: **फेल माज़ी** - जमाना माज़ी के लिए। 2: **फेल मुजारे** - जमाना हाल और मुस्तकबील के लिए। फेल का बकायदा अगाज़ करने से पहले जन्द बातों को जहनशी करले।

मादा और वजन :- अरबी ज़बान की ख़ुसिसियत ये है कि इसके 99 फिसद अल्फाज की बुनियाद तीन हुरूफ पर होती जिन्हे मादा कहते है, दुसरी इसकी ख़ुबी औज़ान है जो एक ख़ास मफहुम रखता है। ف-ع-ل (फ,ऐन,लाम,) इन तिन हुरूफ को स्टेण्डर्ड (डाई)मान कर मादा और वजन का एक खास निज़ाम तर्तीब की गई है, मुख़तलीफ मादा को मुख़तलीफ औजान में डालने के बाद जो अल्फाज बनते है उन अल्फाज के माअनी में मादा औ वजन दोनों के मफहुम शामील हो जाते है।

मिसाल के तौर पर ك-ت-ب तीन हुरूफ एक मादा है **"लिखना"** के मअनी मे इस्तेमाल होता है और فَاعِلٌ (फाइलु) एक वजन है जो **"काम करने वाला"** के मफहुम देता है ك-ت-ب को इस वजन में डाला जायेगा तो लफ्ज़ कतिबुन् كَاتِبٌ बनेगा जिसके मअनी **"लिखने वाला"** होगा इसी तरह मफऊलुन् مَفْعُوْلٌ एक वजन है जिसमे **"जिस पर काम हुआ हो"** का मफहुम देता है, जब ك-ت-ب मादा को इस वजन मे डाला जाता है तो लफ्ज़ बनेगा जिसके मअनी होगें **"लिखा हुआ"**।

अरबी ज़बान में मादा और वजन के निज़ाम को समझ लेने से अफआल को समझना और याद करना असान होता है। अरबी ज़बान मे 99 फिसदी अफआल तीन हुरूफ पर मुस्तमिल होती है जिसे **"सुलासी"** कहते है।
किसी फेल से मुख़तलिफ जमानों का मफहुम रखने वाले मुख़तलिफ अल्फाज **"सिगे"** कहलाते है। किसी फेल के मुख़तलिफ सिगों की तअदाद ज़मीरों के मुताबीक होती है। ज़मीरे तीन तरह की होती है गाइब, हाज़िर, मुताकल्लिम। ज़मीर के मुताबिक फेल के सिगे बनाने को फेल की गरदान (तसरिफ) कहते है। अरबी ज़बान में सिगे इस तरह से बनाया जाता है की हर सिगे में उससे मुताबिक ज़मीर उसी में झिपी हुई मानी जाती है, उसे उसकी बनावट से पहचाना जा सकता है।

फेल माज़ी की गरदान

वो फेल जिसमे गुजिस्ता समय में किसी काम के करने या होने का मफहुम हो **"फेल माज़ी"** कहलाता है।

जमा جمع	मुसन्ना مثنّٰی	वाहिद واحد	Gender जिंस	Number अदद
फअलूऽ فَعَلُوْا उन सबने किया	फअला فَعَلَا उन दोनों ने किया	फअल فَعَلَ उसने किया	मुज़क्कर مذکر	गायिब غائب 3rd Person
फअल्न فَعَلْنَ उन सब ने किया	फअलता فَعَلَتَا उन दोनों ने किया	फअलत् فَعَلَتْ उसने किया	मुअन्नश مؤنث	
फअलतुम فَعَلْتُمْ तुम सबने किया	फअल्तुमा فَعَلْتُمَا तुम दोनों ने किया	फअल्त فَعَلْتَ तू ने किया	मुज़क्कर مذکر	हाज़िर حاضر 2nd Person
फअल्तुन्ना فَعَلْتُنَّ तुम सबने किया	फअल्तुमा فَعَلْتُمَا तुम दोनों ने किया	फअल्ती فَعَلْتِ तू ने किया	मुअन्नश مؤنث	
फअल्ना فَعَلْنَا हमने किया		फअल्तु فَعَلْتُ मैने किया	मुज़क्कर/मुअन्नश مذکر/مؤنث	मुताकल्लिम متکلم 1st Person

जमा جمع	मुसन्ना مثنّٰی	वाहिद واحد	Gender जिंस	Number अदद
फइलूऽ فَعِلُوْا उन सबने किया	फइला فَعِلَا उन दोनों ने किया	फइल فَعِلَ उसने किया	मुज़क्कर مذکر	गायिब غائب 3rd Person
फइल्न فَعِلْنَ उन सब ने किया	फअइलता فَعِلَتَا उन दोनों ने किया	फइलत् فَعِلَتْ उसने किया	मुअन्नश مؤنث	
फइलतुम فَعِلْتُمْ तुम सबने किया	फइल्तुमा فَعِلْتُمَا तुम दोनों ने किया	फइल्त فَعِلْتَ तू ने किया	मुज़क्कर مذکر	हाज़िर حاضر 2nd Person
फइल्तुन्ना فَعِلْتُنَّ तुम सबने किया	फइल्तुमा فَعِلْتُمَا तुम दोनों ने किया	फइल्ती فَعِلْتِ तू ने किया	मुअन्नश مؤنث	
फइल्ना فَعِلْنَا हमने किया		फइल्तु فَعِلْتُ मैने किया	मुज़क्कर/मुअन्नश مذکر/مؤنث	मुताकल्लिम متکلم 1st Person

जमा جمع	मुसन्ना مثنّٰی	वाहिद واحد	Gender जिंस	Number अदद
फउलूऽ فَعُلُوْا उन सबने किया	फउला فَعُلَا उन दोनों ने किया	फउल فَعُلَ उसने किया	मुज़क्कर مذکر	गायिब غائب 3rd Person
फउल्न فَعُلْنَ उन सब ने किया	फउइल ता فَعُلَتَا उन दोनों ने किया	फउलत् فَعُلَتْ उसने किया	मुअन्नश مؤنث	
फउलतुम فَعُلْتُمْ तुम सबने किया	फउल्तुमा فَعُلْتُمَا तुम दोनों ने किया	फउल्त فَعُلْتَ तू ने किया	मुज़क्कर مذکر	हाज़िर حاضر 2nd Person
फउल्तुन्ना فَعُلْتُنَّ तुम सबने किया	फउल्तुमा فَعُلْتُمَا तुम दोनों ने किया	फउल्ती فَعُلْتِ तू ने किया	मुअन्नश مؤنث	
फउल्ना فَعُلْنَا हमने किया		फउल्तु فَعُلْتُ मैने किया	मुज़क्कर/मुअन्नश مذکر/مؤنث	मुताकल्लिम متکلم 1st Person

हिन्दी बाय से दाय पढ़े

फेल

अरबी दांये से बायें पढ़े

इन फेल को अच्छी तरह से जहनशीन कर लें और उनकी गर्दाने बना कर याद कर लें इन्शे अल्लाह अज्र भी मिलेगा और इल्म भी बढ़ेगा।

गफर उसने बख्शा غَفَرَ	ज़अल उसने बनाया جَعَلَ	खलक उसने पैदा किया خَلَقَ
अबद उसने इबादत किया عَبَدَ	फतह उसने खोला فَتَحَ	सबर उसने सबर किया صَبَرَ
गफल वो गाफिल हुआ غَفَلَ	हशर उसने किया حَشَرَ	रफअ उसने बुलंद किया رَفَعَ
ज़लस वो बैठा جَلَسَ	सजद उसने सजदा किया سَجَدَ	शकर उसने शुक्र किया شَكَرَ
नज़र उसने देखा نَظَرَ	दखल वो दाखिल हुआ دَخَلَ	ज़रब उसने मारा ضَرَبَ
ज़लम उसने जुल्म किया ظَلَمَ	रज़क़ उसने अता किया رَزَقَ	ज़हब वो गया ذَهَبَ
बलग वो पहुचा بَلَغَ	रज़अ वो लौटा رَجَعَ	सदक उसने सच किया صَدَقَ
अमिला उसने अमल किया عَمِلَ	फ़रिह वो खुश हुआ فَرِحَ	नकस उसने कमि कि نَقَصَ
हमिद उसने हम्द किया حَمِدَ	कदिम वो आया قَدِمَ	अलिम उसने जाना عَلِمَ
हफिज़ उसने याद किया حَفِظَ	शरिब उसने पिया شَرِبَ	समिअ उसने सुना سَمِعَ
मरिज़ वो बिमार हुआ مَرِضَ	क़बील उसने कुबुल किया قَبِلَ	सहिद उसने गवाही दी شَهِدَ
हसिब उसने गुमान किया حَسِبَ	रकिब वो सवार हुआ رَكِبَ	रहिम उसने रहम किया رَحِمَ
करुम वो बागैरत हुआ كَرُمَ	बउद वो दूर हुआ بَعُدَ	करुब वो करिब हुआ قَرُبَ
	ज़उफ वो कमजोर हुआ ضَعُفَ	सकुल वो भारी हुआ ثَقُلَ

फेल मुज़ारे

वो फेल जिसमें किसी काम के मौजुदा समय या आने वाले समय मे करने का मफहुम हो फेल मुज़ारे कहलाता है। हम कह सकते है कि हाल और मुस्तकबील के लिए इस्तेमाल होने वाले फेल को फेल मुज़ारे कहते है। फेल मुज़ारे चार अलामात है- “ی-ت-ا-ن” जिनमे से “ا” सिर्फ वाहिद मुतकल्लिम और“ن”सिर्फ ज़मा मुतकल्लिम के सेगों में लगता है।“ی”चार सेगों मे इस्तेमाल होता है, जिनमे से तीन मुज़्ज़कर गाइब के सेगें है जबकी एक ज़मा मुअन्नश गाइब का है बाकी आठ सेगों में“ت” अलामत मुजारे इस्तेमाल होती है। फेल माज़ी मअरूफ की तरह फेल मुज़ारे मअरूफ के भी तीन वजन है- يَفْعَلُ۔ يَفْعِلُ۔ يَفْعُلُ

फेल माज़ी की गरदान

جمع ज़मा	مثنّٰی मुसन्ना	واحد वाहिद	Gender जिंस	Number अदद
यफ्अलूऽन يَفْعَلُوْانَ वो सब करते है/ करेगें	यफ्अलानी يَفْعَلَانِ वो दोनो करते/करेगें	यफ्अल يَفْعَلُ वो करता है/ करेगा	مذکر मुज़क्कर	غائب गायिब 3rd Person
तफ्अल् न يَفْعَلْنَ वें सब करत	तफ्अलानी تَفْعَلَانِ वे दोनों करती है/करेंगी	तफ्अलु تَفْعَلُ वो करती है/करेंगी	مؤنث मुअन्नश	
तफ्अलुऽन تَفْعَلُوْنَ तुम सब करते हो	तफ्अलानी تَفْعَلَانِ तुम दोनों करते हो	तफ्अलु تَفْعَلُ तू करता है/करेगा	مذکر मुज़क्कर	حاضر हाज़िर 2nd Person
तफ्अल्न تَفْعَلْنَ तुम सब करती हो	तफ्अलानी تَفْعَلَانِ तुम दोनों करती हो	तफ्अलीऽन تَفْعَلِيْنَ तू करती है/करेगी	مؤنث मुअन्नश	
नफ्अलु نَفْعَلُ हम करते है/करेगें		अफ्अलु اَفْعَلُ मै करता हू/करूंगा	مذکر/مؤنث	मुताकल्लिम متکلم 1st Person

جمع ज़मा	مثنّٰی मुसन्ना	واحد वाहिद	Gender जिंस	Number अदद
यफ्इलूऽन يَفْعِلُوْانَ वो सब करते है/ करेगें	यफ्इलानी يَفْعِلَانِ वो दोनो करते/करेगें	यफ्इल يَفْعِلُ वो करता है/ करेगा	مذکر मुज़क्कर	غائب गायिब 3rd Person
तफ्इल् न يَفْعِلْنَ वें सब करत	तफ्इलानी تَفْعِلَانِ वे दोनों करती है/करेंगी	तफ्इलु تَفْعِلُ वो करती है/करेंगी	مؤنث मुअन्नश	
तफ्इलुऽन تَفْعِلُوْنَ तुम सब करते हो	तफ्इलानी تَفْعِلَانِ तुम दोनों करते हो	तफ्इलु تَفْعِلُ तू करता है/करेगा	مذکر मुज़क्कर	حاضر हाज़िर 2nd Person
तफ्इल्न تَفْعِلْنَ तुम सब करती हो	तफ्इलानी تَفْعِلَانِ तुम दोनों करती हो	तफ्इलीऽन تَفْعِلِيْنَ तू करती है/करेगी	مؤنث मुअन्नश	
नफ्इलु نَفْعِلُ हम करते है/करेगें		अफ्इलु اَفْعِلُ मै करता हू/करूंगा	مذکر/مؤنث	मुताकल्लिम متکلم 1st Person

نورانی قاعدہ
کامل
مرکز دین کامل
ABDUSSAMAD MUHAMMAD KAMIL
+91 9630848111 NAGPUR-M S